



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 30, 1982 (कार्तिक 8, 1904)  
No. 44] NEW DELHI. SATURDAY, OCTOBER 30, 1982 (KARTIKA 8, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 सितम्बर 1982

सं० ए० 19013/2/82-प्रशा० I :—राष्ट्रपति द्वारा श्री एस० के० सिंघल, आई० आर० एस० (डी० एण्ड सी० ई०) को 8 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य० रा० गांधी,  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आ०

दर्शाई गई तिथि से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

अधिकारी का नाम एवं राज्य जहां के हैं। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्ति की तिथि।

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1982

सं० 22013/2/82-प्रशा० 5:—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा निम्नलिखित पुलिस निरीक्षकों को प्रत्येक के स

1	2	3	4	नियुक्ति के कारण वे दिनांक 15-9-82 अपराह्न को अपना कार्यभार से निरस्त हो गये हैं।
3.	डी० आई० दीक्षिप्पा, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो अहमदाबाद।	गुजरात	24-7-1982	ए० के० सूरी, गृहायक निदेशक (स्थापना)
4.	डी० भूयन, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, शिलांग	आसाम	26-7-1982	
5	डी० कृष्णन, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सा० अ० स्कन्ध, मद्रास।	तमिलनाडु	24-7-1982	

आर० एम० नागपाल,  
प्रणामनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

#### महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 मितम्बर, 1982  
सं० ओ० दो० 1767/८ 2-स्थापना.—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर चन्द्र प्रकाश आर्य को 30 अगस्त 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 1 अक्टूबर, 1982

सं० ओ० दो 7/76-स्थापना:—श्री जे० एम० कुरेशी, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने मध्य प्रदेश राज्य में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप दिनांक 2-9-82 को पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप निदेशक (प्रणामन) महा निदेशालय, के० रि० पु० बल० नई दिल्ली के पद का कार्य भार छोड़ा।

इसको 59 दिन का अर्जित अवकाश दिनांक 2-9-82 से 30-10-82 साथ में 31-10-82 और 1-11-82 की सरकारी छुट्टिया की परखाधीन भी दी गई है। उनको कहा गया कि छुट्टी के बाद वह महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश, भोपाल को रिपोर्ट करेंगे।

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 अक्टूबर, 1982

सं० 11/72/80-प्रशा० 1 —राष्ट्रपति, निम्नलिखित उप निदेशकों को उनके समक्ष दर्शित जनगणना कार्यालयों में तदर्थ आधार पर और अस्थायी तौर पर तारीख 16 अगस्त, 1982 तक की और अवधि के लिये संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करने हैं—

क्रम सं० अधिकारी का कार्यालय जहाँ कार्यरत मुख्यालय नाम है

1. श्री बी० टी० पिल्लई निदेशक, जनगणना कार्य त्रिवेन्द्रम केरल त्रिवेन्द्रम
2. श्री अब्दुल गनी निदेशक, जनगणना कार्य, श्रीनगर जम्मू व कश्मीर, श्रीनगर
3. श्री एस० मिन्हा निदेशक, जनगणना कार्य कलकत्ता पश्चिम बंगाल, कलकत्ता
4. श्री अर्दमान सिंह निदेशक जनगणना कार्य चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़
5. श्री ए० डब्ल्यू० महात्मे निदेशक, जनगणना बम्बई कार्य महाराष्ट्र, बम्बई

सं० 10/19/82-प्रशा० I —राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 10 जून, 1982 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री वाई० एस० राव की उप निदेशक और सर्वश्री एम० बी० राव तथा बी० एस० वर्मा की अनुसन्धान अधिकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 31 जुलाई, 1983 तक की और अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाये, इनमें जो भी अवधि कम हो, सहर्ष बढ़ाने है।

सर्वश्री वाई० एस० राव, एम० बी० राव और बी० एस० वर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पदमनाभ,

आयोग में 700—1300/— रुपये के वेतनमान में अनु-  
सन्धान अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं. वि० आ० 2(21)-ए०/82:—योजना आयोग, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर श्री ए० पी० रस्तोगी, अनुसन्धान अधिकारी को आठवें वित्त आयोग में 25 सितम्बर 1982 के पूर्वार्द्ध से अगला आदेश होने तक 1100/— 1600 /— रुपये के वेतनमान में उप निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

— सं. वि० आ० 2(22)-ए०/82:—योजना आयोग, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड II-I अधिकारी तथा वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी श्री ए० आर्डी० व्यास को आठवें वित्त आयोग में 25 सितम्बर, 1982 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक 1300/— 1800/— रुपये के वेतनमान में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

ए० ए० माथुर,  
अवर सचिव (प्रशा०)

वित्त मंत्रालय,

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०)

देवास, दिनांक 3 अक्टूबर 1982

न. वी० ए० पी०/सी/5/82:—वस्ती सं० वी० ए० पी०/सी/5/82:—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-7-82 के अनुक्रम में श्री आर० के० घोषाल की तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्रण निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि वर्तमान शर्तों पर दिनांक 1-10-82 से तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, और बढ़ाई जाती है।

मु० वी० चार,  
महाप्रबन्धक,

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनांक 7 अक्टूबर 1982

सं० 45/जी/8.—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० के० दे सरकार स्थानापन्न महायुक्त कार्यालय प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन) दिनांक 31 जुलाई, 1982 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता,  
निदेशक,

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1982

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/940/71-प्रशा० (जी०)/6471:—राष्ट्रपति, सेवा निवृत्ति की आयु होने के बाद भी श्री जे० के० माथुर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग I में स्थानापन्न अधिकारी और मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप मुख्य नियंत्रक, को 1 जुलाई, 1982 से 31 अगस्त, 1982 तक सेवा में वृद्धि प्रदान करते हैं।

2. राष्ट्रपति श्री जे० के० माथुर को 31 अगस्त, 1982 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की भी अनुमति देते हैं।

ए० एस कौल,

उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात  
कृते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

वाणिज्यिक जानकारी तथा अंकसंकलन महानिदेशालय,

(वाणिज्य विभाग)

कलकत्ता, 700001 दिनांक 4 अक्टूबर 1982

सं० ए० 1/1(5) 82/5641—सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 12015/1/80-155, दिनांक 14 सितम्बर, 1982 के अनुसरण में, भारतीय सांख्यिकी सेवा के एक चतुर्थ स्तरीय परीक्षार्थी, श्री मुन्नत कुमार दास (भा० सां० से०-अ०-4) ने, इस कार्यालय में सहनिदेशक का पदभार, 17-9-82 के पूर्वार्द्ध से, ग्रहण कर लिया है।

सं० ए० 1/1(4) 82/5648—सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय, के कार्यालय ज्ञापन सं० ए०-12015/1/80-155, दिनांक 14 सितम्बर, 1982, के अनुसरण में, भारतीय सांख्यिकी सेवा के एक चतुर्थ स्तरीय परीक्षार्थी श्री विसल कुमार गिरि, (भा० सां० से०-अ०-4) ने, इस कार्यालय में, सहनिदेशक का पदभार, 17-9-82 के पूर्वार्द्ध से, ग्रहण कर लिया है।

सं० ए० 1/1(6) 82/5654—सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० ए०-12015/1/80-155, दिनांक 14 सितम्बर, 1982 के अनुसरण में, भारतीय सांख्यिकी सेवा के एक चतुर्थ स्तरीय परीक्षार्थी श्री गुरुचरण मन्ना, (भा० सां० से०-अ०-4) ने, इस कार्यालय में सहनिदेशक का पदभार, 20-9-82 के पूर्वार्द्ध से, ग्रहण कर लिया है।

डी० सी० बप्ता  
महानिदेशक

## उद्योग मंत्रालय

## औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1982

सं० 12 (532)/66-प्रशा० (राज०)/खण्ड-2—राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (सामान्य प्रशा० प्रभाग), श्री के० ए० लिंगम को, सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर, सरकारी सेवा से 31-7-82 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सी० सी० राय  
उप-निदेशक (प्रशासन)

## भारतीय संग्रहालय

## भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 5 अक्टूबर 1982

सं० 4-186/82/स्था०—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान, सर्वेक्षण, ने श्री सुनील कुमार विश्वास, कार्यालय अधीक्षक को इस सर्वेक्षण के दक्षिण क्षेत्र, मैसूर में कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (वर्ग-ख-राजपत्रित) के पद पर रु० 650-1200/- के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में 14 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

एम० एस० राजगोपालन  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

## भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 1 अक्टूबर 1982

सं० एफ० 92-172/80-स्थापना/25449—डा० सुपदा गोविंद पाटिल को फेसवाटर बाइओलाजिकल स्टेशन, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, हैदराबाद में सहायक प्राणि विज्ञानी (समूह 'ख' 650-1200 रु० वेतनमान में) के पद पर 10 अगस्त, 1982 (पूर्वाह्न) में, अगले आदेश तक, अस्थायी रूप में नियुक्त किया गया है।

ए० के० मंडल  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी  
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1982

सं० 6 (104)/63-एस०-एक—निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्रीमती ई० एन० खरकोगर, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, शिलांग 31 जुलाई, 1982 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गईं।

सं० 4(53)/75-एस०-एक—संगीत नाटक अकादमी में, सहायक सचिव के पद पर नियुक्ति होने पर श्री भारत रत्न

भार्गव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नई दिल्ली को संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कार्यग्रहण करने के लिए 16 अगस्त, 1982 की अपराह्न से उनके कार्यभार में मुक्त कर दिया गया था।

हरीश चन्द्र जयान  
प्रशासन उपनिदेशक  
कुते महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

## फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 5 अक्टूबर 1982

सं० 17/64/49-ई०-I—कुमारी एस० सेन स्थाना-पन्न, शाखा प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग, बम्बई को पी० एस० रावतेल, शाखा प्रबन्धक को विस्तारित छुट्टियों की मंजूरी दिये जाने की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी ने दिनांक 9 जुलाई, 1982 से 13 अगस्त, 1982 तक, उमी पद पर बने रहने के लिए कहा है।

वी० आर० पसवानी  
महा० प्रशासकीय अधिकारी  
कुते मुख्य निर्माता

## ग्रामीण विकास मंत्रालय

## विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 1 अक्टूबर 1982

सं० ए० 19025/6/82-प्र० तु० —संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री दिलीप कुमार सिन्हा को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 30-8-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 अक्टूबर 1982

सं० ए० -12018/8/79-प्र०-I—विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में उप निदेशक (प्रशीतन) (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-अ) जिसका वेतनमान रु० 1100-50-1600 है, का पद तत्काल से वरिष्ठ विपणन विकास अधिकारी (शीतागार प्रशीतन) के रूप में पुनः पदनामित किया जाता है।

(अधिकार पत्र—ग्रामीण विकास मंत्रालय, पत्र सं०-1-1/82-ए० एम० दिनांक -4-9/1982)

गोपाल शरण शुक्ल  
कृषि विपणन सलाहकार

## भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

## (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं० पी० ह०/79(4)/80-आर० III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री गोविन्द विष्णु मांडके, स्थानापन्न

सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 22-7-1982 (पूर्वाह्न) से 31-8-1982 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 अक्टूबर 1982

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर० III--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री अरुण करीम मोहिउद्दीन नाइक, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी (रूपये 650-860) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 23-8-82 (पूर्वाह्न) से 22-9-82 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पाल  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1982

सं० पी० पी० ई० डी०/4(851)/80-प्रशासन/12908-- इस प्रभाग के वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता-ग्रेड ए० बी० श्री ए० पद्मनाभन ने अपना त्यागपत्र देने के बाद इस प्रभाग से 30 जनवरी, 1982 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० वी० थट्टे  
प्रशासन अधिकारी

नगौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 7 अक्टूबर 1982

क्र० सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(103)/82-ए०/11931--सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, स्थायी अधीक्षक तथा अस्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी एवं नगौरा परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-II श्री प्रेम प्रकाश सितम्बर 30, 1982 के अपराह्न में, सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

आर० के० बाली  
प्रशासन अधिकारी-II

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई, दिनांक 24 सितम्बर 1982

सं० क्रम नि० /21/1(2)/78-स्थापना/20699-- परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री ए० ए० देणमुख को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 29-4-1982 (पूर्वाह्न) से 31-8-1982 (अपराह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर

स्थानापन्न रूप से और 1-9-1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए इसी निदेशालय में नियुक्त क्षमता में सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं० क्रम नि० /23/5/79-स्थापना/30032--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक क्रय अधिकारी श्री वी० ए० रामास्वामी की क्रय अधिकारी के रूप में पदोन्नति हो जाने पर स्थायी कनिष्ठ क्रय सहायक और स्थानापन्न क्रय सहायक श्री कन्मपरा श्री लक्ष्मणन् को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 3 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से 12 जून, 1982 (अपराह्न) तक के लिए इसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं० क्रम नि०/23/4/82-स्थापना/30077-परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक सहायक क्रय अधिकारी श्री ए० ए० प्रधान की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी क्रय सहायक श्री कृष्ण लाल ब्राह्मवाल्या को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 10 अगस्त, 1982 (पूर्वाह्न) से 10 सितम्बर, 1982 (अपराह्न) तक के लिए इसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० क्रम नि०/23/3/82-स्थापना/30081--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार अधिकारी श्री आर्द० पी० मेनन की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी भंडारी श्री ए० सी० राय को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 3 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से 2 जून 1982 (अपराह्न) तक के लिए इसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ  
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं० ए० 32013/13/82-ई० ए०--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी० लाकड़ा, उपनिदेशक, बम्बई एयरपोर्ट को दिनांक 1-10-1982 से और अन्य आदेश होने तक क्षेत्रीय विमान क्षेत्र नियन्त्रक, बम्बई एयरपोर्ट के पद पर नियुक्त किया है।

आ० पी० जैन  
सहायक निदेशक प्रशासन  
कुते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1982

सं० ए० 32013/4/80-ई० I—इस कार्यालय की दिनांक 15-5-82 की अधिसूचना सं० ए० 32013/11/80-ई०-I के क्रम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई अवधि तक निदेशक संचार के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :—

क्र.सं०	नाम	अवधि		तैनाती स्टेशन
		से	तक	
1.	श्री एम०एस० कृष्णन	1-1-82	31-10-82	मद्रास
2.	श्री के० टेकचन्दानी	1-1-82	31-10-82	पालम

श्री० पी० जैन  
सहायक निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1982

सं० ए०-38013/6/82-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के स्थित निदेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता के कार्यालय के श्री बी० पी० प्रमाणिक, सहायक संचार अधिकारी ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के फल-स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-8-82 (अपराह्न) में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 5 अक्टूबर 1982

सं० ए० 32014/2/82-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री पी० के० दास, संचार सहायक को दिनांक 29 अप्रैल, 1982 में रु० 650-1200 के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता में तैनात किया है।

प्रेम चन्द  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1982

सं० ए०-12025/1/80-ई० डब्ल्यू०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री परामू राजेन्द्रन को नागर विमानन विभाग में दिनांक 16-9-1982 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी के पद पर स्थापनापन्न रूप में नियुक्त किया है।

श्री परामू राजेन्द्रन को विद्युत एवं यांत्रिक वर्कशाप, सफदर-जंग एयरपोर्ट नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

ठाकुर बस  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1982

सं० ए० 32013/3/80-ई० एम०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित चार अधिकारियों को दिनांक 19-2-1982 में नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/नियन्त्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है :—

1. श्री एम० रंजन
2. श्री बी० डी० मेठी
3. श्री टी० सी० अहलुवालिया
4. श्री मी० बी० स्वामीनाथन

दिनांक 8 अक्टूबर 1982

सं० ए० 31013/5/81-ई० एम०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित चार अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजी०) के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

1. श्री एल० एन० लाल — 5-9-1981
2. श्री एम० एल० नागर — 5-9-1981
3. श्री बी० के० श्रीवास्तव — 5-9-1981
4. श्री जयवीर सिंह — 11-9-1981

जे० सी० गर्ग  
सहायक निदेशक प्रशासन

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 1 अक्टूबर 1982

सं० जी०/स्टेट 156/ 5742—यन: बिशन सिंह जसवंत सिंह कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय दुर्गा किला, पटियाला में है, का परिसमापन किया जा रहा है।

और यन: अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है। और यह कि कम्पनी के कार्यालय का पूर्णतया परिसमापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणियां (विवरणियां —) छ क्रमवर्ती माम की अवधि नहीं दी गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उप-धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना की तारीख से तीन मास का अवमान होने पर बिशन सिंह जसवंत सिंह कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किये जाने पर रजिस्ट्रार में से काट दिया जायेगा, और कम्पनी को विघटित कर दिया जायेगा।

बी० एम० जैन  
कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नीरजा इन्वेस्टमेंट  
एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में.

स्वालयर, दिनांक 6 अक्टूबर 1982

सं० क्रमांक 1227/सी० पी० 2485—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सं० नीरजा इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
मध्य प्रदेश, स्वालयर।

#### आय-कर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 5 अक्टूबर 1982

क्र० एफ०-48-ए०डी०/ए०टी०/82-1—श्री एन० सी० चतुर्वेदी, स्थाई हिन्दी अनुवादक, आय-कर अपील अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक एफ०-48-ए०डी०/ए०टी० (82 दिनांक 15 मई, 1982 द्वारा दिनांक 16 मई, 1982 से 3 माह की अवधि के लिए अस्थायी हैसियत में तदर्थ आधार पर आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से जारी रखा गया था, को दिनांक 16-8-1982 से 22-8-1982 (अपराह्न) तक दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली में तथा दिनांक 23-8-1982 से 15-11-1982 तक अथवा उक्त पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, आय-कर अपील अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में सहायक पंजीकार की उसी हैसियत में बने रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपरोक्त नियुक्ति तदर्थ है तथा इसमें श्री एन० सी० चतुर्वेदी को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का अधिकार प्राप्त नहीं होगा। उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा की गणना वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये अथवा अगले उच्च वर्ग में पदोन्नति हेतु पात्रता के लिये नहीं की जायेगी।

क्र० एफ०/48-ए०डी०/ए०टी०/82-2—श्री सुरेन्द्र प्रसाद, स्थाई हिन्दी अनुवादक बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक एफ० : 48/ए०डी०/ए०टी०/82 दिनांक 15 मई, 1982 द्वारा दिनांक 16 मई, 1982 से 3 माह के लिए अस्थायी हैसियत में तदर्थ आधार पर आय-कर अपील अधिकरण, बैंगलोर न्यायपीठ, बैंगलोर में सहायक पंजीकार

के पद पर स्थानापन्न रूप से जारी रखा गया था को, दिनांक 16 अगस्त, 1982 से 15-11-1982 तक अथवा उक्त पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, आय-कर अपील अधिकरण, बैंगलोर न्यायपीठ, बैंगलोर में सहायक पंजीकार की उसी हैसियत में बने रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपरोक्त नियुक्ति तदर्थ है तथा इसमें श्री एस० प्रसाद को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का अधिकार प्राप्त नहीं होगा, उनके द्वारा इस श्रेणी में तदर्थ आधार पर की गई सेवा की गणना वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये अथवा अगले उच्च वर्ग में पदोन्नति हेतु पात्रता के लिए नहीं की जायेगी।

टी० डी० शुक्ला  
अध्यक्ष

#### शुद्धि-पत्र

- (क) दिनांक 26-6-82 के राजपत्र में प्रकाशित नोटिस एल. सी. सं. 569 के अनुसूची (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) "पत्तनतिट्टा विल्लेज के सर्वे सं. 216/1ए में 11 सेन्ट भूमि के साथ मकान" के स्थान पर "उप-रजिस्ट्री कार्यालय, पत्तनतिट्टा के दस्तावेज सं. 2459 में संलग्न अनुसूची के अनुसार 2.75 सेन्ट भूमि और मकान का भाग" पढ़ा जायेगा।
- (ख) दिनांक 26-6-82 के राजपत्र में प्रकाशित नोटिस एल. सी. सं. 570 के अनुसूची (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) "पत्तनतिट्टा विल्लेज के सर्वे सं. 216/1ए में 11 सेन्ट भूमि के साथ मकान" के स्थान पर "उप-रजिस्ट्री कार्यालय, पत्तनतिट्टा के दस्तावेज सं. 2477 में संलग्न अनुसूची के अनुसार 2.75 सेन्ट भूमि और मकान का भाग" पढ़ा जायेगा।
- (ग) दिनांक 26-6-82 के राजपत्र में प्रकाशित नोटिस एल. सी. सं. 571 के अनुसूची (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) "पत्तनतिट्टा विल्लेज के सर्वे सं. 216/1ए में 11 सेन्ट भूमि के साथ मकान" के स्थान पर "उप-रजिस्ट्री कार्यालय, पत्तनतिट्टा के दस्तावेज सं. 2494 में संलग्न अनुसूची के अनुसार 2.75 सेन्ट भूमि और मकान का भाग" पढ़ा जायेगा।
- (घ) दिनांक 26-6-82 के राजपत्र में प्रकाशित नोटिस एल. सी. संख्या 572 के अनुसूची (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) "पत्तनतिट्टा विल्लेज के सर्वे सं. 216/1ए में 11 सेन्ट भूमि के साथ मकान" के स्थान पर "उप-रजिस्ट्री कार्यालय, पत्तनतिट्टा के दस्तावेज सं. 2503 में संलग्न अनुसूची के अनुसार 2.75 सेन्ट भूमि और मकान का भाग" पढ़ा जायेगा।

पी. जे. तोमसकुट्टी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण),  
अर्जन रॉज, पूरणाकुलम

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 4/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टि० एस० सं० 1968/1ए है, तथा जो  
पल्लिवासललेन, सुबरमनियपुरम, मदुरै में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (आकुमेंट सं० 395/82)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिकन्दर खान और अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरून गुलजार बेगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सरखे सं० 1968/1ए, पल्लिवासललेन, सुबरमनियपुरम,  
मदुरै (आकुमेंट सं० 395/82)।

एस० लहरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 17-9-1982

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

1. श्री सिकन्दर खान और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती हरून गुलजार बेगम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 5/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो पल्लिवासल लेन, सुबरमनियपुरम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (डाकुमेंट  
सं० 278/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—306GI/82

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 2, पल्लिवासल लेन, सुबरमनियपुरम;  
मदुरै—टि० एस० सं० 1968/1ए (डाकुमेंट सं० 278/82)।

एस० लहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री तियागराजन

(अन्तरक)

2. श्री कनकराजन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 13/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 159/4 पार्ट और 7 पार्ट, है  
तथा जो तल्लाकुलम, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
तल्लाकुलम (डाकुमेंट सं० 222/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 159/4 पार्ट और 7 पार्ट,  
प्लॉट सं० 418 तल्लाकुलम, मदुरै (डाकुमेंट सं० 222/82)।

एस० लहरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्ररूप आर्षः टीः एनः एसः-----

1. श्री त्यागराजन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कनकराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1982

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निदेश सं० 14/जन०/82—यत्, मुझे, एस० लहरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 159/4 पार्ट और 7  
पार्ट है, तथा जो तल्लाकुलम, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, तल्लाकुलम (डाकुमेंट सं० 223/82) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जनवरी, 1982

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भूमि आर० एस० सं० 159/4 पार्ट और 7 पार्ट  
प्लॉट सं० 418, तल्लाकुलम, मदुरै (डाकुमेंट सं० 223/82)।

एस० लहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 17-9-1982

माह 9

**मुख्य भाग टी. एन. ए.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आवक सूचना**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश सं० 18/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो मुल्ला साहिब स्ट्रीट, सोकारपट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौकारपट (डाकुमेंट सं० 36/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पदमावती और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री पुकराज जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि और निर्माण 55, मुल्ला साहिब स्ट्रीट, सोकारपट, मद्रास-1 (डाकुमेंट सं० 36/82)।

एस० लहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश सं० 51/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 1 और 2 है तथा जो उनफानरी रोड, वेल्लूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेल्लूर (डाकुमेन्ट  
सं० 51/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जनवरी, 1982 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

1 श्री गनेस चेट्टियार और अन्य

(अन्तरक)

2 श्री समपत और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 1 और 2 उनफानरी रोड, वेल्लूर (डाकु-  
मेन्ट सं० 51/82)।

एस० लहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 19-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आहूँ, टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० 52/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 266/1 है तथा जो मेनसी पोस्ट,  
अरुण ताल्लुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बाबिरेड्डीपट्टी (डाकुमेंट सं० 81/82) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी,  
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान प्रकाशम्

(अन्तरक)

2. चैननैन और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिबाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 266/1, मेनसी ग्राम (डाकुमेंट सं० 81/82)

एस० लहरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

\*प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

1 श्री सुन्दरमूर्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. चिन्तमाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० 53/जम०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 266/1 है तथा जो मेनरी पोस्ट, अरूर  
तालुक में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बाबिरेडडीपट्टी (डाकुमेंट सं० 82/82) में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करती हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्लेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 266/1, मेनरी ग्राम (डाकुमेंट सं०  
82/82)।

एस० लहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर संचालक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी०आर० नं० 2088/23-I/82-83—यतः

मुझे, आर० आर० शाह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सूचक सदन, वार्ड नं० 6, शीट नं० 142 है  
तथा जो राजपुतपरा, बोर्ड नं० 6, क्रिकेटर अमरसिंह जी रोड के  
नजदीक स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 28-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्ता—

1. श्रीमती सुमित्राबेन प्रधानभाई सुचक की ओर से  
एल० आर० श्री दिलीप जयन्ती लाल ठक्कर  
111-ए, महात्मा गांधी रोड,  
फोर्ट, बोम्बे ।

(अन्तरक)

2. मनसुखलाल पानाचन्द और अन्य  
द्वारा : विपिनकुमार जयन्ती लाल,  
दानापीठ, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मिलिकयत जिस विनिर्दिष्ट सूचक सदन, नाम से प्रचलित है  
जो वार्ड नं० 6, राजपुतपरा में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार,  
राजकोट, रजिस्ट्रीकर्ता विनिर्दिष्ट नं० 568/28-1-82 है ।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 7/82-83—यस: मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 8-2-681/ए/6 है, जो बाजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—306G1/82

1. मोहम्मद साखवान आली, और अन्य  
11-3-946, न्यू महकैपस्की, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद जमीन मोहीनुद्दीन विनामोहम्मद मलीम मोहीनुद्दीन, श्रीमती सनमा रहमान पति एम० अदजाज़ अर रहमान, 11-5-559, रेड हील्स, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं० 8-2-681/ए/6, रोड, नं० 12, बाजारा हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ० गज०, रजिस्ट्रीकृत विनोद नं० 89/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 172/82-83—यतः मुझे

एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-191-से 200 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नक्शा नोशीर जैन वाला और रजी केकी दादाभाई,  
ए-17, मोती बाग, न्यू दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री आसनदास आसानन्द दहलानी,  
अदरअली आजीज जखीवा, सददीन कारा,  
अशोक कुमार सागरमल मलहारा,  
मैसर्स जोगानी इंटरप्राइजेस,  
नं० 210, गूडेवा चांदर,  
4 था बाम्बे-400023

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति 1-8-191 से 1-8-200 पेंडरवास्ट रोड, सिकन्दराबाद  
(143/बी, मसीनटायर रोड, विस्तीर्ण 543, 50 चौ० गज०  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० /173/82-83—अतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-333बी, है जो बंजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री नाक्षरिक्षवान हासने पिता श्री मोहम्मद अब्दुल हासन पार्टनर मैसर्स आंध्र प्रदेश, कंस्ट्रक्शन, को०, 10-3-304/12, हुंमायूं नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मोहम्मद आमर पिता मोहम्मद अब्बास 11-5-566, रेड हील्स, हैदराबाद।

(2) श्री मोहम्मद ऊष्मान अदील पिता मोहम्मद अब्बास 11-5-566, रेड हील्स, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग धर नं० 8-2-333/बी, रोड, नं० 3, बंजारा हील्स, शेकपेट, हैदराबाद विस्तीर्ण 183, चौ गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 511/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० 174/82-83—अतः—अतः मुझे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो जो पंजागूट्टा, हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नागार्जुना को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,  
बाई० आर० व्ही० एस० राजू, 6-3-354/8/5,  
हिन्दी नगर, कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री आई० रामकृष्णा राजू, पाइपर्स (ग्रहाया),  
टी० पी० गुंडम, वेस्ट गोदावरी, जिला,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 77, विस्तीर्ण 870<sup>1</sup> चौ० गज०, पंजागूट्टा,  
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 468/82, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश म० आर० ए० सी० नं० 175/82-83—अतः  
मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो बाहादुरपल्ली गांव, में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेडचल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती जी० कमला तायरम्मा  
पति जी० राधाकृष्णाराव  
नामपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० सीता रामा लक्ष्मी पति ए० मुब्बाराजू,  
कोमपल्ली, गांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि बाहादुरपल्ली, 26 एकर, 12 गुंठे, रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 591/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 176/82-83—अतः  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कांचन बाग में स्थित है,  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अजपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० वयाकर रेड्डी,  
3-5-926/15, हीमायत नगर,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स भारत रत्ना डिफेंस लेबोरेटरी, एम्पलाइज  
को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग, सोसायटी लि०  
केअर आफ : डी० आर० एल० पी०  
ओ० कांचन बाग, हैदराबाद-500 258

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि वार्ड नं० 18, ब्लॉक नं० 8, विस्तीर्ण 7 एकर,  
12 गुंठे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 58/82, रजिस्ट्रीकृत  
अधिकारी अक्षमपुरा ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982

माह 9

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 177/82-83—यतः मुझे

एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बंजाराहिल्स हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री कृष्णा नारम,  
रोड, नं० 2, बंजाराहिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. कुमारी डी० हेममालया कुमारी,  
टी० नगर, मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्दितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यवस्थापकी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 597.3 चौ० गज० रोड, नं० 2,  
बंजाराहिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 215/82,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 18-9-1982

मोहर :

प्रकाशित: टी० ए० एन० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेदक सं० आर० ए० सी० नं०/178/82-83—अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो बंजाराहीन्हा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा नारम,  
रोड नं० 2, बंजाराहीन्हा,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. कुमारी डी० हिमालया, कुमारी  
टी० नगर, मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रकट गठनों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रकरणों में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 597.5 चौ० गज०, रोड नं० 2, बंजाराहीन्हा, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 208/82. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982

मोहता :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 179/82-83—यतः मुझे  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो सडदाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—306GI/82

1. श्री एम० विक्रम पिता एम० सतध्या,  
जी० पी० डा० जे० रामेश्वर राव,  
106/बी, मंतीशनगर, कालोनी, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स वनी को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी  
बाइ० डी० सत्यनारायणा,  
8-105, शांती नगर, कालोनी,  
हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 202 मे 205, विस्तीर्ण 30 गूठे, सडदाबाद,  
रजिस्ट्रीकृत वलेख नं० 114/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 180/82-83 यतः सुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो बंजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख जनवरी 1982

को पश्चात् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी शेहना इसन पिता रश्मात हुसन,  
8-2-697/10, रोड नं० 12, बंजाराहील्स,  
हैदराबाद-500034।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती खतीजा पनि मंसूर कुली खान,  
आरोली रोड, नागपुर जी० पी० य० मसूद  
कुलीखान, 8-2-697/10 रोड, नं० 12, बंजारा-  
हील्स, हैदराबाद-500034।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट का भाग, प्लॉट नं० 9, रोड नं० 12, बंजाराहील्स,  
हैदराबाद-34, विस्तीर्ण 179.58 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विवेक  
नं० 84/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आइ टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० /81/82-83

अतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो बंजाराहील्स, हैदराबाद  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में आर पूर्णतः रूप  
से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी अयायस हुशन,  
8-2-697/10 रोड नं० 12,  
बंजाराहील्स, हैदराबाद -34 ।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती खतीजा बाई, जी०पी०ए० मसूद कुली  
खान, 8-2-697/10,  
रोड नं० 12, बंजाराहील्स, हैदराबाद-34 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9 का भाग, रोड नं० 12, बंजाराहील्स,  
हैदराबाद, विस्तीर्ण 611.38 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 83/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आर० ये० सी० न० 182/82-83

एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

और जिसकी म० प्लॉट है तथा जो अमीर गेट, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 जनवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री आर० एम० भीष्मा पिता स्वर्गीय आर० श्री० मारुथन, 2/3, हिन्दुस्तान स्टाफ क्वार्टर्स, जी० बी० एस० मार्ग, विक्रोली, बाम्बे।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० सतोष कुमार पिता टी० शिवलिंगम, बी/101, गांधीनगर सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसूची

श्री भाग, विस्तीर्ण 920 37 चौ० गज (न० 8) सर्वे सर्वे न० 198, अमीरपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 74/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**भाइल सडकाड**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आर० ये० सी० न० 183/82-83

अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० राजम्मा पति एम० चन्द्रय्य,  
घर नं० 1-97, कुकटपल्ली, रंगारेड्डी जिला।  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स इमेंजेस, बाई श्रीमती सी० एच० रामादेवी  
पति श्री रामाजी राव।

इनाडू कम्पाउन्ड, सोजाजीगुडा,

हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

भूमि ब्लाक नं० 1, विस्तीर्ण 734 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 4/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 184/82-83—यतः मुझे,

एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिधियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० नरसीमलू पिता एम० चन्द्रया,  
घर नं० 3-107, कुकटपल्ली, रंगारेड्डी जिला,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स इमेजेंस बाई श्रीमती सी० एच० रामादेवी,  
पति श्री रामजी राव, ईनाडु कम्पाऊण्ड,  
सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 734, चौ० गज सर्वे नं० 832, कुकट-  
पल्ली, राजेन्द्र नगर तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला, हैदराबाद

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज; हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

मोहर :

राज्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

धारा 269-ब

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 185/82-83

अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हम में  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (और  
हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री एम० लीगाराव पिता एम० चेन्नैया,  
घर नं० 3-87, कुकटपल्ली,  
रंगारेड्डी जिला, हैदराबाद ।  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स इमेजेस द्वारा श्रीमती सी० एच०, रामा  
देवी पति रामोजी राव,  
ईनाडु कम्पाउण्ड,  
मोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पदावृत्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पत्र लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि ब्लॉक नं० 3, विस्तीर्ण 734 चौ० गज, कुकटपल्ली  
रजिस्ट्रीकर्ता विरोख नं० 6/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
रंगारेड्डी जिला, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 18-9-1982  
मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 मितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० 186/82-83—अतः सुझे,  
ए० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एम० कृष्णा राव पिता एम० चन्द्रया,  
घर नं० 1-97, कुकटपल्ली,  
रंगारेड्डी जिला ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स इमेंजेस द्वारा श्रीमती सी० एच०  
रामादेवी पति श्री रामोजी राव,  
इनाडू कम्पाउण्ड, सोजाजीगुडा,  
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि ब्लाक नं० 4, विस्तीर्ण 734 चौ० गज कुकटपल्ली  
रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 7-82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जनवरी 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० 1/87/82-83—अतःमुझे

एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, कुकटपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—306GI/82

(1) श्री एम० जनार्दन राव पिता एम० चन्द्रय्या,  
3-111, कुकटपल्ली, रंगारेड्डी जिला ।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स हमजेम, द्वारा श्रीमती सी० एच० रामादेवी,  
पति श्री रामूजी राव, ईनाडु कम्पाउण्ड,  
सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ब्लॉक नं० 5, विस्तीर्ण 734 चौ० गज, कुकट-पल्ली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी, रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी० 1/88/82-83—अतः मुझे,

एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हाफीज पेट, हैदराबाद में  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तर्गत तय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती निमुनिसा बेगम,  
जी० पी० ए० ए० नरेन्द्र और एम० इलीयाम  
23-6-431, गवलीपुरा, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स हिन्दुस्तान आरोनैटिक इस्लाइज  
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

गवलीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि, सर्वे नं० 77, विस्तीर्ण 2 एकड़, हाफीजेट,  
रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 264/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982  
मोहर :

प्रकृष. आर्क्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० 189/82-83—अतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हाफीजपेट, हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन,  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हाफीजुनीसा बेगम,  
जी० पी० ए० आर० नरेन्द्र और एम० इलीयास,  
23-6-431, गवलीपुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हिन्दुस्तान आरोनैटिक इम्प्लाइज को-  
ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 77, विस्तीर्ण 2 एकड़, हाफीज पेट,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 265/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

महेश्वर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी०/190/82-83—अतः मुझे,

एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हाफीज पेट, हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी  
जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
गोपनीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निर्धारित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) श्री एम० हामीदुद्दीन  
जी० पी० ए० एम० आर० एलप्पा,  
सलतान शाही, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मसर्स हिन्दुस्तान आरोनैटिक इम्प्लाइज, को-  
ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
सेक्रेटरी श्री आर० एम० सूरी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 77, बिस्तीर्ण 2 एकड़ हाफीज पेट,  
बिस्तीर्ण रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 266/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक . 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी०/191/82-83--अतः सुधे

एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि सग्वर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-6-510 है, जो निजामाबाद में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई क्रिया आय का बाबा, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में कृत्रिमता के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए ना, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री नरसिंग राव कुलकर्णी, नालैश्वर गांव,  
निजामाबाद जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनुमूया बाई पति जी० लक्ष्मी नारायण,  
5-6-10/4, पोचम्मागल्ली,  
निजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां कराई गईं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-6-510, शाहलेन, निजामाबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 148/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, निजामाबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 18-9-1982

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० ए० सी०/192/82-83—अतः मुझे,  
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि है, जो कल्लूर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एस० चन्द्रशेखरप्पा,  
8/163, बी-पेटा, कर्नूल ।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगा गोरी को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग  
सोसाइटी, टी० शेषाप्पा पिता रमना,  
अजंता होटल, कर्नूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 155 से 157, विस्तीर्ण 4 एकड़, 50  
सेण्ट्स, कल्लूर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 416/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कर्नूल ।

एम० जेगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

मोहर :

## प्रकृष धार्डी टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे-411004, दिनांक 23 सितम्बर 1982

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० हवेली II/753/82-83—यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 1 मनाली अपार्टमेंट 421/बी, सि० सं० नं० 1071 है तथा जो गोखले रोड, शिवाजीनगर, पूना-16 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) के० विट्ठल राव,  
10, विश्रामबाग मोमाडटी, सेनापति बापट रोड,  
पुणे-16 ।
- (2) श्रीमती टी० एच० पूनावाला,  
931, बुधवार पेठ, पूना-2 ।

(अन्तरक)

2. (1) एफ० एफ० फर्नीचर वाला,  
(2) एन० एफ० फर्नीचर वाला,  
(3) एस० एफ० फर्नीचर वाला,  
1 मनाली अपार्टमेंट, 421/बी,  
सि० सं० नं० 1071, गोखले रोड,  
शिवाजीनगर, पूना-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वहस्ताक्षर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

अपार्टमेंट नं० 1, मनाली अपार्टमेंट प्लॉट नं० 421-बी, सि० सं० नं० 1071, शिवाजीनगर, पूना-16 । जिसका क्षेत्र 118.30 स्क्वेयर मीटर है । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 6925 जो 22-1-82 को दुय्यम निबंधक, हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है ।

शशिकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 23-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० III 580/अर्जन/82-83—अतः मुझे,  
प्रबोध कुमार दुबे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके तत्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
289-ब के अधीन सतत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग सं० 208/476 (नया) 714/  
554, 715/554, ए०, 716/554 बी०), सकल सं० 13,  
सर्वे प्लाट है तथा जो सं० 610, सीट सं० 54, बार्ड सं०  
5 (पुराना) कदमकुआं, थाना कदमकुआं, जिला पटना में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 22-1-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन करने के अध्याय के बाधित में कमी  
करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रसून कुमार समादार, वलद श्री सुरेन्द्र नाथ  
समादार सा० कदमकुआं, पो० कदमकुआं, जिला  
पटना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नीरज न्यूज पेपर्स एसोशिएशन प्रा० लि०  
द्वारा निदेशक श्री विश्वनाथ सराफ,

निवासी : नोगछोया, पोस्ट एवं थाना नोगछोया,  
जिला भागलपुर ।

(अन्तरिती)

(1) मौजूदा भवन के निचला मजिना के आधा हिस्सा  
एवं परती जमीन अन्तरिती के कब्जे में है ।

(2) (1) निचला मजिना के आधा हिस्सा बेमसेट  
मैसर्स राम नारायण बंदी दास के कब्जे  
में है ।

(2) भवन का पहला और दूसरा मजिना  
मैसर्स रामनारायण बंदी दास के द्वारा सब-  
टेनेन्ट—प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय  
विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण संग्रहालय  
के अधीन है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन मय तीन मंजिला पक्का मकान जिसका  
रकबा 9 कटरा । धुर एवं 5 धुरकी है तथा जो कदमकुआं  
थाना कदमकुआं, जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्णत  
रूप से वनिका सं० 759 दिनांक 22-1-1982 में वर्णित  
है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना द्वारा  
संपन्न हुआ है ।

प्रबोध कुमार दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना, बिहार

दिनांक : 16-9-1982

मोहर :

प्रम्प आई. टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 मितम्बर 1982

निदेश सं० बल्लभगढ़/479/81-82-यतः, मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 7 पर बना मकान, सैक्टर  
25 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन की अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

6--306GI/82

(1) य० भर्तु मल राम किशन

2885-2886, बाजार तिरकोशाला, दिल्ली-6  
वर्जिये सर्वश्री राम किशन गुप्ता पुत्र भरतु  
मन गुप्ता, वृज मोहन गुप्ता, मन मोहन गुप्ता,  
प्रमोद कुमार, प्रदीप कुमार पुत्रान श्री राम किशन  
गुप्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा घई पत्नी बाई० के० घई,

अजय घई पुत्र बाई० के० घई,

विजय घई पुत्र बाई० के० घई,

नि० म० न० 366-67, नेहरू ग्राऊंड, एन०

आई० टी०, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति प्लॉट नम्बर 7 पर बना मकान सैक्टर 25  
फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 13910  
दिनांक 28-1-1982 पर दिया है ।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० बहादुरगढ़/30/81-82—यतः, मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 4 कनाल है तथा जो जाखौदा में  
स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहादुर-  
गढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
के अन्तर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्रीम प्रकाश  
पुत्र श्री करतार सिंह  
गांव ब डा० जाखौदा

(अन्तरक)

(2) मै० बत्सल ग्रेन एण्ड सीड ट्रेडिंग कम्पनी प्रा०  
लिमिटेड, 11, शिव ठाकुर लेन, कलकत्ता 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल गांव जाखौदा में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुरगढ़ में,  
रजिस्ट्री संख्या 2366 दिनांक 15-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० बहादुरगढ़/31/81-82—यसः, मुझे, आर०

के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 26 कनाल है तथा जो जाखौदा  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहादुर-  
गढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) सर्वश्री सुल्तान सिंह पुत्र गंगाराम पुत्र जय राम  
गांव ब डा० जाखौदा ।

(अन्तरक)

(2) मै० बन्सल ग्रेन व सीड्स ट्रेडिंग कम्पनी प्रा०  
लिमिटेड, 11 शिष ठाकुर लेन, कलकत्ता, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 'पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 26 कनाल, गांव जाखौदा में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुर-  
गढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 2367 दिनांक 15-1-82 पर दिया  
है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० बहादुरगढ़/32-81-82—यतः, मुझे, आर०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 29 कनाल 13 मरले है तथा जो  
जाखौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बहादुरगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुल्तान सिंह पुत्र श्री गंगा राम  
पुत्र श्री जयराम, नि० गांव जाखौदा ।

(अन्तरक)

(2) मै० कानपुर गैली ट्रेडर्स,  
51/56, शंकर पट्टी, सीताराम मार्केट, कानपुर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 29 कनाल 13 मरले गांव जाखौदा में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुर-  
गढ़ में रजिस्ट्री संख्या 2368 दिनांक 15-1-1982 पर  
दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मितम्बर 1982

निदेश सं० गुडगावा/263/81-82--यतः, मुझे, आर०

के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 120 कनाल है तथा तथा जो खुरमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियम, और/या

- (ग) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्रिनया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री भाग राम पुत्र बासन्दा राम  
नि० मालवीय नगर, देहली।

(अन्तरक)

- (2) श्री शिव तेज सिंह, सुरेन्द्र कुमार,  
सुरेश कुमार पुत्रान श्री बलवीर सिंह,  
निवासी जवालाहेडी (देहली)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 120 कनाल खुरमपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्री संख्या 3745 दिनांक 11-1-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० गुड़गावां/262/81-82—अतः मुझे, आर० के भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 340 कनाल 1 मरला है तथा जो खुरमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गावां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री भारा राम पुत्र वासन्दा राम  
मालवीय नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विशान सिंह पुत्र पोह मल,  
मुकेश, विनोद पुत्रान विशान सिंह, कमलेश विधवा  
रणधीर सिंह 403, हैदर कुली, गांधी चौक, नई दिल्ली।  
श्री शिवताज सिंह, सुरेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार  
पुत्रान बलवीर सिंह, नि० जवाला हेडी (दिल्ली)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 340 कनाल 1 मरला गांव खुरमपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गावां में, रजिस्ट्री संख्या 3744 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० गुड़गावां /266/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान-कम-फ्लैट नं० 6 है तथा जी न्यू  
कालोनी, गुड़गावां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गुड़गावां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गरेन्द्र देव कालड़ा पुत्र ठाकुर राम,  
26 न्यू कालोनी, गुड़गावां

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी आशा नन्द मेरा,  
बुकान-कम-फ्लैट नं० 6,  
न्यू कालोनी, गुड़गावां

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति बुकान कम फ्लैट नं० 6, न्यू कालोनी गुड़गावां,  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
गुड़गावां में, रजिस्ट्री संख्या 3779 दिनांक 14-1-82 पर  
दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्रारूप प्राई टी एन.एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/92/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 2 बीघे है तथा जो करनाल में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित तदुद्देश्य में अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री पृथ्वी पाल सिंह पुत्र रघवीर सिंह  
श्रीमती अमिन कौर पत्नी श्री पृथ्वीपाल सिंह  
श्री सतिन्दर पाल सिंह पुत्र पृथ्वी पाल सिंह,  
नि० 159 एन० माडल टाउन, करनाल  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अवतार कौर पत्नी दयाल सिंह,  
श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी प्रीतम सिंह,  
श्रीमती बलजीत कौर पत्नी महेन्द्र सिंह,  
श्री प्रजीत सिंह पुत्र प्यारा सिंह,  
नि० 18-354 चार चमन, करनाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों-शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पान लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 2 बीघे करनाल में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री-  
संख्या 5257 दिनांक 28-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-82  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/93/81-82—अन : मुझे, आर० के०  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।  
और जिसकी सं० म० नं० ई०-150/4, मुघला मोहल्ला  
है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

7—306GI/82

(1) श्री दयाला राम पुत्र काला राम  
श्रीमती कौशला देवी पत्नी दयाल सिंह,  
म० नं० ई०/150/4, मुघला मोहल्ला,  
करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री भोजा राम पुत्र विशाखा राम  
म० नं० एफ०/100, मीरा घाटी, करनाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० ई०-150/4 भयाना मोहल्ला, करनाल  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 5215 दिनांक 27-1-1982  
पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री सिलोक नाथ नूपुर पुत्र नाथुराम  
नि० जी० टी० रोड करनाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री श्रीराम ब्राह्मजा पुत्र टाकुरदास  
म० नं० 288, एम० आई० जी, हाउसिंग बोर्ड  
कालोनी, करनाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/103/81-82—अन : मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 288, हाउसिंग बोर्ड  
कालोनी है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 288, हाउसिंग बोर्ड कालोनी में स्थित  
है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में,  
रजिस्ट्री संख्या 4955 दिनांक 13-1-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 6-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/104/81-82—अतः मुझे, आर० के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 20 करनाल 19 मरले है तथा जो घरीडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि एतापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतवन्त सिंह पुत्र करतार सिंह  
नि० घरीडा त० करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहनलाल पुत्र रूलिया राम  
श्रीमती लघा रानी पत्नी सोहनलाल  
श्री बृजलाल, बृजेश कुमार, सुभाष चन्द, राजेश,  
कुमार पुत्रान भाती प्रकाश नि० घरीडा त०  
करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 20 करनाल 19 मरले घरीडा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीसंख्या 4876 दिनांक 8-1-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982  
मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल /111/81-82—अतः मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बीघे 10 बिस्वे है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री राज सिंह, राजवीर सिंह,  
पुत्रान राम सिंह श्रीमती राज दुलारी  
पुत्री शाम सिंह पुत्र अमर सिंह नि० मोहल्ला  
जाटान, करनाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री चांद मूर्ति, किशोर लाल पुत्रान राम लाल  
शर्मा, श्री बलदेव राज पुत्र देश राज  
श्री अमरसिंह पुत्र पन्ना लाल पुत्र रामानन्द  
नि० शिव कानोनी, करनाल ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना पारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रामाण्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 बीघे 10 बिस्वे करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 4746 दिनांक 1-1-1982 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 मितम्बर 1982

निर्देश म० जगाधरी/83/81-82--अत मुले, आर० के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० भूमि 10 बीघा 10 बिस्वे है तथा जो मुण्डा माजरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकर्ष के नियम अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्ष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय राशियाँ प्रतिकर्ष निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबम, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फूल सिंह पुत्र विष्णा नि० मुण्डा माजरा ।  
(अन्तरक)

(2) मै० लाला रामधारी मल आत्माराम गद्दौर रोड, यमुना नगर त० जगाधरी ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लिष्टकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 10 बीघे 10 बिस्वे गांव मुण्डा माजरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 6046 दिनांक 12-1-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 18-9-82  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मितम्बर 1982

निर्देश सं० जगाधरी/84/81-82--अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० भूमि 100 व० ग० है तथा जो यमुनानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अ० 100 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करो का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री यशपाल पुत्र श्री सिया नन्द लाल  
नि० गोबिन्द पुरी त० जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री धर्म सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह,  
सेवक सिंह, धनवन्त सिंह पुत्रान धर्म सिंह मार्फत,  
न्यू जनता मिल्स, यमुनानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पञ्चम में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1000 व० ग० यमुनानगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 6024 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-82  
मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० जगाधरी/97/81-82—प्रत : मुखे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 करनाल 13/ 1/2 मरले है तथा जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुन्ना सिंह पुत्र नसीब सिंह  
पुत्र माम राज नि० राजपूताना हनुमान गेट,  
जगाधरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री ईन्दर लाल गम्भीर पुत्र बैशाखी राम नि०  
सरगोधा कालोनी गीता भवन के निकट, जगाधरी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1 करनाल 13 1/2 मरले गांव जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 6391 दिनांक 28-1-1982 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रंज रोहतक

तारीख . 18-9-1982  
मोहर :

प्रकट भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० जगाधरी/109/81-82—अतः मुझे, आर०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 16 1/2 बिस्बे है तथा जो गोबिन्दपुरा जगाधरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाषा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) सर्व श्री नरेश कुमार, अशोक कुमार  
दलीप कुमार पुवान नर सिंह,  
नि० गोविन्द पुरा, न० जगाधरी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मुरेन्द्र पाल पुत्र मनोहर लाल  
236 एल० मांडल टाउन, यमुनानगर  
2. श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र वेद प्रकाश  
नि०-236 एल, मांडल टाउन, यमुनानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की माली में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 16 1/2 मरले गोबिन्दपुरा त० जगाधरी में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 6426 दिनांक 28-1-82 पर दिया है।

[आर० के० भयाना,

सक्षम प्राधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं० भिवानी/115/81-82—अतः मुझे, भार० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मल्लूवाड़ा जोहड़ के  
निकट, भिवानी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, भिवानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त मूल्य का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की वास्तविक अर्थ-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कभी  
करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धार या किसी अन्य या अन्य वास्तविकियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या जिस जाना चाहिए था डिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्ति में, अर्थात्:—  
8—306GI/82

(1) श्रीमती नीलम गुप्ता पत्नी नरेश गुप्ता  
स्ट्रीट चौरमारान, भिवानी,

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री टोडर मल केजरीवाल रतन कुमार  
केजरीवाल पुतान चन्द्र लाल केजरीवाल नि०  
भिवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
काई वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान, मल्लूवाड़ा जोहड़ के निकट, भिवानी  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय, भिवानी में, रजिस्ट्रीकरण संख्या 2722 दिनांक  
13-1-82 पर दिया है।

भार० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-9-82

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० भिवानी /16/81-82—प्रतः मुझे, भार०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर मालिकता का उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 5 कनाल 10 मरले है तथा जो  
भिवानी में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और,  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भिवानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रद्वष्ट प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सत्यनारायण पुत्र रामेश्वरदास नि० भिवानी  
प्रहलाद राम, शाम सुन्दर, राम चन्दर, श्रीराम,  
श्रीमती लक्ष्मीबाई, नर्वदा पुत्री बशोदर पुत्र  
हरी बक्स नि० भिवानी  
(अन्तरक)

(2) श्री निरन्जन लाल पुत्र राम कुमार  
आदि नि० भिवानी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 5 कनाल 10 मरले भिवानी में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भिवानी  
में रजिस्ट्रीसंख्या 2839 दिनांक 25-1-82 पर रिया  
है।

भार० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-82  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० रेवाड़ी/91/81-82—अतः भुझे, अर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 58 कनाल 8 मरले है तथा जो  
घाखहेडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रेवाड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निर्णयलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दीना मंगत राम पुत्र कुन्दन  
दत्तक पुत्र राम दास  
निवासी घाखहेडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह सेठी पुत्र  
श्री सोहन सिंह सेठी  
मकान नं० 16/9, कालका जी, देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 58 कनाल 8 मरले घाखहेडा में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में  
रजिस्ट्री संख्या 2735 दिनांक 4-1-82 पर दिया है ।

अर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-82

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन्.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० हिसार/137/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० एस०पी०एफ० 95, है तथा  
जो न्यू राज गुरु मार्केट, हिसार में स्थित है (और इससे  
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री रामशरण पुत्र नन्द लाल  
कमला नगर हिसार,  
मलाथ सर्वेन्ट, गांधी मार्केट, हिसार,

(अन्तरक)

(2) श्रीह महेश मोहन पुत्र हरी चन्द  
निवासी सचदेवा भवन, निकट जहाजपुल हिसार  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० एस०पी०एफ० 95, न्यू राज-  
गुरु मार्केट, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण संख्या  
4743 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षक,  
अर्जुन, रैंज रोहतक

तारीख : 18-9-82  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० रोहतक/66/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3, क्षेत्र 364 व० ग० है तथा  
जो हरि नगर, रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र भानन्द स्वरूप  
पुत्र श्री विशन स्वरूप  
म० नं० 115 वार्ड नं० 5,  
पुरषा मोहल्ला, रोहतक

(अन्तरक)

(2) श्री राम स्वरूप पुत्र कर्म चन्द  
श्रीमती राम विसी पत्नी रामस्वरूप  
म० नं० 430, वार्ड नं० 2  
तेजू कालोनी, रोहतक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 3, क्षेत्र० 364 व० ग० हरिनगर  
रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीसंख्या 5288 दिनांक  
12-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-82  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं० देहली/147/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० सी०-160, डी०एल०एफ० माडल  
टाउन है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक कुमार कक्कट  
ई०-20, ग्रेटर केलाश इन्क्लेब-2,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण सिंह,  
सी० 132, ग्रेटर केलाश-1,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० सी०-160, डी०एल०एफ० माडल  
टाउन, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीसंख्या 67  
दिनांक 15-1-1982 पर दिया है ।

आर० के० भयाना,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-9-1982

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्र. टी. एच. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं० बल्लभगढ़/450/81-82—अतः मुझे, आर०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 70 क्षेत्र० 514-2 व० ग० है  
तथा जो मांडल टाउन, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रशान्त जैन पुत्र के० पी० जैन  
एम० आर्द्र० जी० प्लॉट नं० 11-ए, स्ट्रीट,  
राजौरी गार्डन, एस्टरन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोक सिंह पुत्र जीत सिंह,  
नि० ई०-174, कालका जी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
अवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 71, मांडल टाउन, फरीदाबाद के  
कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीसंख्या 13661 दिनांक  
8-1-1982 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-9-1982  
मोहर :

अध्यक्ष आर. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/151/81-82—अतः सुधे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
दिए गए पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो औद्योगिक क्षेत्र, पानीपत  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम चन्दर पुत्र भोजाराम बाघला,  
नि० पानीपत

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री श्रीमप्रकाश, वीर अर्जुन, अशोक कुमार,  
पुत्रान श्री प्यारे लाल नि० कंवाल त० जनसथ  
जिला मुजफ्फर नगर (उ० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान औद्योगिक क्षेत्र, पानीपत में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत  
में, रजिस्ट्रीसंख्या 6397 दिनांक 21-1-1982 पर दिया  
है।

आर० के० भयाना,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री नारायण मिह पुत्र बोम्बे लाल  
नि० पानीपत

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोज़नक

रोहतक, दिनांक 15 मितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/163/81-82—अतः मुझे आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो सुखदेव नगर मार्केट  
पानीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय का बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-306GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी छे  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति दुकान, सुखदेव नगर मार्केट, पानीपत में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत  
में, रजिस्ट्रीमख्या 5747 दिनांक 1-1-1982 पर दिया  
है।

आर० के० भयाना  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 15-9-1982  
मोहर :

प्रारूप आर्द्ध.टी.एन.एस. ---

(1) श्रीमती पानी देवी पत्नी विद्याप्रसन्न

म० न० 562/आर माडल टाऊन, पानीपत  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

(2) श्रीमती रिमलू जानी पत्नी श्री डी० पी० एम०  
जानी पुत्र एम० एम० जानी,नि० 1/2, सफदरगढ़ डवलपमेंट, एरिया नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

रोहताक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० पानीपत/157/81-82 यतः, मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन अधिम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० 562/आर, माडल टाऊन, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत, में, रजिस्ट्री संख्या 5870 दिनांक 6-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/132/81-82--अतः मुझे आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्यावर संग्रह, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-०० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० एल०/89, माइन टाउन, अमरु रोड है तथा जो पानीपत में स्थित है (जहाँ इसमें उपावद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 16) के अधीन नारोख फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उचित अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किमा प्राय या किमा घन या ग्रन्थ प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पार्वती पुत्री काशीराम।

पुत्र नैकी राम न० जि० पानीपत

(अन्तरक)

(2) श्री मुबे सिंह पुत्र भरत सिंह,

गांव हरिनगर निकट मडनौडा न० पानीपत

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथोद्देश्यकारी के पास निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम में पदमा 10-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति दुकान नं० एल०/89 असन्धरोड पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय पानीपत, में रजिस्ट्रीसंख्या 6946 दिनांक 9-2-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-9-1982

मोहर :

प्रमुख नोटिफिकेशन—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/150/81-82—अतः मुझे आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 17 कनाल 12 मरले है तथा जो सिवाह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कट होने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविकता की, जिन्हें प्राचीन आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रयत्न के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

(1) श्री हन्वन्त सिंह, बलवीर सिंह, लाल चन्द पुत्रान गिरी सिंह पुत्र टोडर नि० मिवाह त० पानीपत (अन्तरक)

(2) सर्व श्री अनिल दत्त, सुनिल दत्त पुत्रान रामजस दत्त पुत्र नानक चन्द मि० 25-एन, मॉडल टाउन पानीपत,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बाधककारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 17 कनाल 12 मरले गांव सिवाह में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 6479 दिनांक 20-1-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 18-9-1982  
मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/154/81-82—अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 42 कनाल 9 मरले है तथा जो सिकन्दरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जिले सिंह पुत्र हरफूल पुत्र नगीना नि० आसन खुर्द त० पानीपत,

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दर सिंह पुत्र बदवा सिंह 2/5 हिस्से, गुरदेव सिंह पुत्र इन्दर सिंह 3/5 हिस्से नि० गांव कावडी त० पानीपत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 84 कनाल 19 मरले गांव सिकन्दरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या 6283 दिनांक 18-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूपे आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 मिनम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/153/81-82--अतः मुझे, आर०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि 4 बीघे 12 बिस्वे है तथा जो पानीपत  
में स्थित है (और इमने उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधा  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लाल चन्द, राम सिंह, नन्द किशोर,  
पानीपत।

(अन्तरक)

(2) श्री कस्तूरी लाल पुत्र हाकम सिंह पुत्र सुन्दर दास  
पृथ्वीराज, प्रेम नाथ पुत्र चेत राम पुत्र रानाराम  
नि० मेन बाजार पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 4 बीघे 12 बिस्वे पानीपत में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री-  
संख्या 6340 दिनांक 20-1-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्रारूप आर्क टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं० अम्बाला/65/81-82—अन मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 6358 से 6361 तक है तथा जो नौहारिया बाजार अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटाने में सूनिधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री प्रेम चन्द नरेश चन्द पुत्रान श्रीद पदमा गारदा, दया कानिया पुत्री लक्ष्मी चन्द अणोक राज पुत्र हरि लाल रूप शाभा पुत्र हरिनाथ, भाग राती विप्रवा श्री हरि लाल दि० नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गनपाल भार्गव पुत्र रत्ना राम दुकान न० 6358 से 6361, नौहारिया बाजार, अम्बाला शहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान न० 6358 से 6361 तक नौहारिया बाजार अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीसंख्या 4980 दिनांक 5-1-1982 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज रोहतक

तारीख 16-9-1982  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० अम्बाला/83/81-82—अतः मुझे आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 424 व० ग० है तथा जो पट्टी कलाला  
(अम्बाला) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्व श्री राजेन्द्र पाव व मुरेन्द्र पाव  
पुत्रान फकीर चन्द म० न० 8423/5 अम्बाला  
(अन्तरक)

(2) मै० मंगन सम्बद्ध ब्राच वर्जिये श्री बाबू राम  
मेहता, संतयोग आश्रम, जगाधरी ठाकुरदास,  
देहरादून, राम नारायण, जगाधरी कुन्दल लाल  
पुत्र मुन्शीराम नदी मोहल्ला, अम्बाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति 424 व० ग० (14 मरले) पट्टी कलाला में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
अम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 5023 दिनांक 14-1-82 पर  
दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप वाई. टी. एन. एस.-----

1. श्री लाल चन्द पुत्र कुन्दन राम नि० गांव नौगल  
न० अम्बाला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्री कृष्ण देव शर्मा पुत्र बाबू राम नि० नदी मौहल्ला,  
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 15 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : अम्बाला/84/81-82—यतः मुझे,  
आर० के० भयाना,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है तथा जो बादशाही बाग, अम्बाला  
छावनी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जनवरी, 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सूविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-306 GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सराफ होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति कमान बादशाही बाग, अम्बाला छावनी में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
अम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 5002 दिनांक 14-1-82 पर  
दिया है।आर० के० भयाना,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती हरजीत बाला पुत्री श्री राम लाल पुत्र श्री  
नानक चन्द नि० अम्बाला छावनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना2 श्री अमरजीतसिंह पुत्र इन्दर सिंह अम्बाला कैन्ट।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० अम्बाला/85/81-82—यतः मुझे, आर०  
के० भयानाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान-कम-मकान है तथा जो गांव नांगल  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान-कम-मकान नांगल में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री-  
संख्या 5475 दिनांक 29-1-81 पर दिया है।

आर० के० भयाना,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, रोहतक

तारीख . 15-9-1982

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० जगाधरी/86/81-82—यत मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रयोग तथा प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ग० न० सी०- IV,—244/ई० है तथा  
जो सिविल लाईन, जगाधरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कमके दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुजे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकी सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का बावत, उक्त प्राधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या,

(ख) एका किंवा जाग या किन्हीं वन या अन्य प्रास्त्रियों  
का जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सन्त राम कोहली पुत्र सोहन लाल नि० 244-  
सी०, सिविल लाईन्ज, जगाधरी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा कुमारी पत्नी जुगल किशोर पुत्र दिवान  
चन्द नि० 194-ए०, धर्मपुरा कालोनी, जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा दूँ।

उक्त पत्रादि के प्रत्येक पत्रार्थ में कोई भी त्रुटि :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषणापत्रों के माध्यम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सांश्लोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० एम० सी० जे० IV-244/1, सिविल  
लाईन जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीसंख्या 6186 दिनांक  
18-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० सिरसा/37/81-82—अतः मुझे, आर०  
के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 31-बी-1, बी ब्लॉक है तथा  
जो नई मण्डी सिरसा में स्थित है (और इससे उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रविक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री लेखराज पुत्र विशम्बर दास,  
श्रीमती आशा रानी पत्नी जगदीश चन्दर  
श्रीमती बिशन देवी पत्नी लधा राम नि० सिरसा।  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री धर्मपाल, अश्विनी कुमार  
अनमोल रत्न पुत्रान श्री चमन लाल  
नि० सिरसा।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाह्य  
में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में अंतर्बद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरों के द्वारा लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण;—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 31-बी-1, नई मण्डी, सिरसा में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा  
में रजिस्ट्री सं० 6875 दिनांक 28-1-1982 पर दिया  
है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 16-9-1982  
साहू

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० कैथल/20/81-83--अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 29 व 30, नई मण्डी है तथा जो कैथल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण न कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मं., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रघुनाथ पुष्प जमना मल  
जि० कैथल ।

(अन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुष्प श्री मान सिंह  
नि० कैथल ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 29 एवम् 30 नई मण्डी, कैथल में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कैथल में रजिस्ट्री सं० 3265 दिनांक 6-1-1982 पर दिया है ।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 16-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० कालका/37/81-82—अतः मुझे, आर० के.  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि 42 कनाल 4 मरले है तथा जो फतेहपुर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के नियम;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री जीर्तासह पुत्र श्री पूर्ण सिंह  
हरदयाल सिंह पुत्र मज्जन सिंह  
नि० फतेहपुर, त० कालका ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह सोधी पुत्र श्री बलवन्त सिंह  
सोधी नि० 195, सेक्टर-28, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 42 कनाल 4 मरले फतेहपुर में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कालका  
में रजिस्ट्री सं० 2108 दिनांक 25-1-1982 पर दिया  
है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1982  
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० थानेसर/13/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 92 कनाल है तथा जो हींगा खेड़ी  
में स्थित है (और इससे उगावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थानेसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरिता) के बीच एक अन्तरण के लिए तय राशि गया प्रति-  
फल निर्धारित होने के लिए अन्तरण के लिए तय राशि का लगभग  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. सर्वश्री जमन लाल, अमृतलाल पुत्रान राम लाल पुत्र  
बहादुर चन्द नि० हींगा खेड़ी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीरा बाई पत्नी हाकम राय पुत्र धनश्याम  
दास नि० शाहबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों या किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 92 कनाल हींगा खेड़ी में स्थित है जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय थानेसर में रजिस्ट्रीसंख्या  
2439 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 18-9-1982  
मोहर

**प्रकरण भाई. डी. एन. एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० थानेसर/15/81-82—प्रतः सुधे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 172 कनाल 9 मरले हैं तथा जो  
हींगा खेड़ी में स्थिति है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
थानेसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाधत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री रतन लाल, चमन लाल, अमृत लाल पुत्रान राम  
लाल, नि० हींगा खेड़ी।

(अन्तरक)

2. श्री जीवनदास पुत्र बहादुर चन्द पुत्र दिवान चन्द,  
हरीश चन्द पुत्र जीवन दास, नि० जालन्धर शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि-  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 172 कनाल 9 मरले हींगा खेड़ी में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय थानेसर  
में, रजिस्ट्रीसंख्या 2441 दिनांक 11-1-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० सोनीपत/109/81-82—अत. मुं. आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 223, मॉडल टाउन है तथा जो सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना बाहिण था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-द की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—306GI/82

- (1) श्री कृष्ण कुमार पुत्र गिरधारीलाल,  
नि० मॉडल टाउन, सोनीपत ज़रिये,  
श्री लोकनाथ पुत्र गिरधारी लाल, जि० सोनीपत  
(अन्तरक)

- (2) श्री अनिल कुमार बसिल पुत्र प्यारे लाल,  
नि० म० नं० 223, मॉडल टाउन, सोनीपत ।

- (2) श्रीमती बिमला बि० श्री प्यारे लाल,  
नि० कुम्हारन गेट, सोनीपत ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 223, मॉडल टाउन, सोनीपत में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 4190 दिनांक 7-1-1982 है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 15-9-19882

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० सोनीपत/108/81-82—अतः सुझे, धार० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 5 मरले है तथा जो बड़ मालक  
में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाधे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री गोकुल पुत्र श्री चन्ना,  
नि० बड़ मालक त० सोनीपत

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती रेनु बाला सेठी पत्नी  
श्री राजीव सेठी  
नि० 7/19 ईस्ट पटेल नगर  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### बगुसूची

भूमि 9 कनाल 5 मरले बड़ मालक में स्थित है जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या  
4143 दिनांक 5-1-1982 पर दिया है ।

धार० के० भाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-832

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निवेश स० करनाल /102/81-82—अत मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० इमारत, दयाल सिंह कालेज रोड के निकट है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वाहन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी क्रिया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सूरज प्रकाश कपूर पुत्र श्री जगनाथ कपूर, नि० मौडल टाउन, करनाल, प्रो० कपूर इंजीनियरिंग वर्क्स, दयाल सिंह कालेज, लिंक रोड, करनाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा मान पत्नी तजिन्दर पाल, श्रीमती कमल मान पत्नी सुरेन्द्रमान, सर्व श्री बरजिन्दर सिंह, रामबीर सिंह पुत्रान तजिन्दर पाल मान, श्री हरपिन्दर सिंह पुत्र सुरेन्द्र मान, नि० माकान डी० एस० कालेज लिंक रोड, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यापक संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति तथा पट्टेदारों के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे

व्यञ्जीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान डी० एस० कालेज लिंक रोड, करनाल पर स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 4983 दिनांक 14-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 16-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/105/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 156 कनाल 17 मरले है तथा जो बड़ा  
गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वे श्री बलदेव नागपाल, अयदेव, पुत्रान  
श्री ऊधा राम, श्रीमती राम प्यारी पत्नी कोटू राम  
नि० वेस्ट पटेल नगर, दिल्ली।  
श्रीमती ईश्वर देवी पत्नी कृष्ण चन्द्र,  
नि० शक्ति नगर, नई दिल्ली।  
श्रीमती चन्दर बती पत्नी प्रभु दयाल, शकूरबस्ती,  
देहली द्वारा श्री विनोद कुमार नागपाल पुत्र बलदेव  
नागपाल।  
नि० ई०-184, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) मै० स्वास्तिक इण्डस्ट्रीज, बड़ागांव  
जिला—करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 156 कनाल 17 मरले गांव बड़ागांव में स्थित  
है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल  
में, रजिस्ट्री संख्या 4875 दिनांक 8-1-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 15-9-1982  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर, 1982

निदेश सं० करनाल/107/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 37, माडल टाउन है, तथा जो,  
करनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती हरविन्दर कौर पत्नी श्री हरजिन्दर सिंह  
सिन्धु मकान नं० आर०-287, माडल टाउन,  
करनाल ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती कमला रानी पत्नी जनार्दन लाल  
नि० म० नं० 60-ए०, कुंजपुरा रोड, करनाल ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति मकान नं० 37, माडल टाउन, करनाल में स्थित  
है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में,  
रजिस्ट्री सं० 4813 दिनांक 6-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 16-9-1982  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री बलवन्त राम पुत्र शाम सुन्दर  
मौ० पुश्परियां गांधी चौक के निकट, हिसार।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

- (2) श्री० शाम सुन्दर (हरियाणा) इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०,  
देहली रोड, हिसार।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० हिसार/150/81-82—अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 5 कनाल 16 मरले है तथा जो सातरोड  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सुखी

सम्पत्ति भूमि 5 कनाल 16 मरले, सात रोड में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में,  
रजिस्ट्री-सं० 4960 दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/106/81-82—अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो धरौंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है और किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए, कौटुंबिक

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गुरुमुख सिंह पुत्र श्री हजार सिंह  
श्री गुरुदयाल सिंह पुत्र श्री शिश सिंह  
नि० धरौंडा तहसील करनाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश वेद प्रकाश पुत्र श्री हरी सिंह  
नि० धरौंडा, तहसील करनाल ।

(अन्तरिकी)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि धरौंडा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय धरौंडा (करनाल) में रजिस्ट्री संख्या 4864 दिनांक 8-1-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 18-9-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/110/81-82—अतः मुझे, भार०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अंश बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो करनाल में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री रमेश्वर दास,  
निवासी—अलीपुर, तहसील पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) श्री जिले सिंह, श्री मुलतान सिंह, श्री सुलतान सिंह  
पुत्र श्री नत्थू राम ।  
श्री पूरन सिंह पुत्र श्री नत्थूराम,  
निवासी—चौर, तहसील  
करनाल—श्री नरसिंह पुत्र रनियाराम,  
निवासी—बुधनपुर, तह० करनाल,  
गोवर्धनदास पुत्र बोध राज,  
निवासी—पुण्डरी तह० कैथल ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि प्लॉट 6700 व० ग० करनाल में स्थित है,  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में  
रजिस्ट्री संख्या 4780 दिनांक 5-1-82 पर दिया गया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82  
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचालित

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० पानीपत/143-81-82—अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 506 ब० ग० है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवासी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामुद्रांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, अन्तरितियों के अन्तर्गत, अन्तरकों के अन्तर्गत, अन्तरितियों के अन्तर्गत रूप में अन्तरित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) में अन्तर्गत अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है, अन्तरितियों के अन्तर्गत अन्तरकों के अन्तर्गत अन्तरितियों के अन्तर्गत रूप में अन्तरित किया गया है—

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

12-306GI/82

(1) श्री सन्तोष तुली पुत्र हरबन्स लाल  
पुत्र दरवाई लाल  
नि० 175—आर०, माडल टाउन, पानीपत  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शालीनी कथूरिया पत्नी  
सुरेश कथूरिया  
मकान न० 489 बर्ड न० 3, पानीपत  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमरसूची

सम्पत्ति भूमि 506 ब० ग० पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 6539 दिनांक 29-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, रोहतक

दिनांक 18-9-82  
मोहर .

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

प्रारण नरकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० रोहतक/67/81-82—अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस नं० 299 बार्ड नं० 29 है तथा जो रोहतक  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलाने  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितो  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सवि-  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
या प्रत्येक अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्ति के  
विषय में लिया,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्री गोविन्द लाल जूनेजा पुत्र  
श्री त्रिलोक चन्द जूनेजा  
सेक्टर 9 हाउस नं० 33  
आर० के० पुरम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वानी कुमार भाटिया पुत्र  
श्री देशराज भाटिया  
हा० नं० 299, बार्ड नं० 29  
शिवाजी कालोनी, रोहतक।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
गचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 299 बार्ड 29, शिवाजी कालोनी, रोहतक,  
में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 5347 दिनांक 18-1-82 पर दिया  
गया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० रोहतक/64/81-82—अत. मुसं, आर० के०

भयाना,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार का, यह निदेश करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 766 वार्ड 18 है तथा जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1 जनवरी 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कमला देवी जैन पत्नी सन्तोष कुमारी जैन  
पुष्पलता जैन, राजेन्द्र कुमार जैन  
जितेन्द्र कुमार जैन पुत्र सुलतान सिंह पुत्र  
श्री दुर्गा प्रसाद  
नि० सुलतानपुर भवन रोहतक

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण गोपाल वशिष्ठ पुत्र  
श्री जगन गोपाल वशिष्ठ पीरजी मोहल्ला  
रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तियों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति मकान नं० 766 वार्ड नं० 18 रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री सं० 5285 दिनांक 12-1-82 पर रिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० रोहतक/59/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान, सीरी मार्किट है, तथा जो रोहतक  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चन्द्रराम पुत्र श्री लक्षाराम  
नि० सोरी मार्किट, रोहतक

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल कृष्ण पुत्र श्री हरीचन्द्र  
सोप नं० 58 सोरी मार्किट  
रोहतक ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
द्वारा लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

संपत्ति दुकान नं० 58 सोरी मार्किट रोहतक में स्थित है,  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में  
रजिस्ट्री संख्या 5187 दिनांक 7-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहर :

प्ररूप, आई., टी., एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० रोहतक/62/81-82—अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान का हाफ पोर्सन दुकान नं० बी० बी०  
आई 877 है तथा जो किला रोड रोहतक में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ताराचन्द पुत्र श्री श्यामराम  
नि० म० नं० बी०—11 /1347 मलारा मोहल्ला  
रोहतक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति राम देवी पत्नी विश्वनुराम  
कथूरिया नि० भगवान.  
कालोनी, रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिब्बत  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरों के पास जिम्मेदार  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० बी० बी० आई० 877 किला रोड रोहतक  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 5437 दिनांक 22-1-82 पर दिया  
है ।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० रोहतक/99/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० बी० पी० आई० 887/हाफ पोसंन  
है तथा जो किला रोड, रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तारा चन्द पुत्र श्री आया राम  
नि० म० नं० बी०-11/1347/सलारा मोहल्ला  
रोहतक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति राम देवी पत्नी श्री विश्नु राम  
कथूरिया नि० भगवान कालोनी  
रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० बी० पी० आई०/887 किला रोड,  
रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 6239 दिनांक 17-3-82  
पर दिया है ।

आर० के० भयाना

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहर :

## प्रकरण भाई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 259-अ (1) के अधीन संचालित

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जनवरी, 1982

निदेश सं० जगाधरी/85/81-82—अत मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 259-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो विश्वकर्मा मोहल्ला, यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्योग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हुए 10 के अन्तरक के परिशिष्ट में दर्ज करने या उक्त वर्ष में स्विछा के लिए आया

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आर्थिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 259-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 259-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम अधिनियम :—

(1) श्री पुरन चन्द पुत्र श्री चुन्नी लाल  
नि० यमुना नगर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विर्मा रानी पत्नी श्री चुन्नी लाल  
दुकान स्थित विश्वकर्मा मोहल्ला  
यमुना नगर ।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई शुरू करा जाये ।

अतः सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या यदि अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के दृश्यमान बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पत्रावृत्तियों के माध्यम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इस प्रयुक्त गठन और निर्देशों के अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इस अधिनियम में दिया गया है ।

## अनुसूची

सम्पत्ति दुकान विश्वकर्मा मोहल्ला, यमुना नगर में स्थित है । जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 5921 दिनांक 6-1-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक 16-1-82  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/178/81-82—अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 10 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी है तथा जो  
सिकन्दरपुर घोसी जि० गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के अन्तर्गत निम्नलिखित में सामान्यिक रूप में कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से उक्त किसी आय को नाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
की तरफ या उक्त वचने में सुविधा के  
लिए प्रेषित

(ख) अपने उत्तराय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, अपने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची के अन्तरिनी द्वारा पकड़ नहीं किया  
गया या किये जाने वाले या डिपाने में  
ले जाने वाले;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीचन्द पुत्र श्री लायक राम  
गांव सिकन्दरपुर घोसी गुडगांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० दिल्ली लैंड एण्ड फाइनेंस लिमिटेड 21-22  
नरेन्द्र पैलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र के राजपत्र के जारी होने से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों की सूचना को  
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहणाश्रयी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त सूचना प्रेषित की गई है, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
वर्ष 1982 को उक्त सूचना के दिया गया है

### अनुसूची

भूमि 10 बिस्वा गांव सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या  
52 दिनांक 8-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 18-9-82  
मोहर :

दिनांक . 18-9-82  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/180/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन मन्त्रिमण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 बिस्वा है तथा जो सिकन्दरपुर घोसी  
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चाद् प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित पट्टे में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने  
या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आर या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए  
या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री श्रीचन्द पुत्र एवं  
श्रीमती विद्या देवी पुत्री  
श्री लायक राम  
गांव—सिकन्दरपुर घोसी ।

(अन्तरक)

(2) मै० डी० एल० एफ० लिमिटेड  
21-22 नरेन्द्रा पैलेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धराजरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अड्डाय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अड्डाय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि 6 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है, जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री सं० 54  
दिनांक 8-1-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० दिल्ली/181/81-82—अतः मुझे, आर०  
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 बिस्वा है तथा जो सिकन्दरपुर घोसी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री उदे सिंह पुत्र  
श्री लायक राम  
गांव व डाक० सिकन्दरपुर घोसी  
(गुड़गांव)

(अन्तरक)

(2) म० विल्ली लीड एण्ड फाइनैस लिमिटेड  
21-22 नरेन्द्रा पैलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

बनसारी

भूमि 6 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है, जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 55  
दिनांक 8-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82  
मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 मितम्बर 1982

निदेश सं० दिल्ली/18 2/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1/12 हिस्सा, 5 बीघा 17 बिस्वा है  
तथा जो सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नारायण सिंह पुत्र श्री कुन्दन लाल  
गांव सिकन्दरपुर घोसी  
(गुड़गांव)

(अन्तरक)

(2) मै० डी० एल० एफ० हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि०  
21-22 एन० पी० पार्लियामेंट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 1/12 हिस्सा 5 बीघा 17 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 69 दिनांक 15-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/183/81-82—अतः मुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वा है तथा  
जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्दु मेहता पत्नि श्री ब्रिज मेहता  
52, आनन्द लोक, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मै० डी० एन० एफ० हार्डिंग एण्ड कन्सल्टेशन लि०  
21-22, एन० पी० पालियामेंट स्ट्रीट  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
गया है।

अनुसूची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वा चकरपुर में स्थित  
है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में  
रजिस्ट्री सं० 100 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

दिनांक 18-9-82

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई, टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/184/81-82—अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 बिस्वा है, तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री त्रिज मेहता पुत्र श्री के० के० मेहता  
52, आनन्द लोक, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मै० डी० एल० एफ० हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन  
लि० 21-22, नरेन्द्रा पैलेस  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वा चकरपुर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री सं० 101 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/185/81-82—अतः सुझे, आर० के०  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 बिस्वा है तथा  
जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री राम सरन दाम गुप्ता  
ई०-464, ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) म० डी० एल० एफ० हार्जिसग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि०  
21-22, नरेन्द्रा पलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 बिस्वा चकरपुर में स्थित  
है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में  
रजिस्ट्री संख्या 102 दिनांक 20-1-82 पर दिया है ।

आर० के० भयाना

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहर :

प्रमाण जारी. टी. एन. एन.

(1) श्री सुनील कुमार गुप्त या महेश कुमार  
इ-464 ग्रेटर कोलाबा, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) मै. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन  
लि. 21-22 नरेन्द्रा पलेस,  
पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं दि./186/81-82—अतः मुझे आर. के.  
भयानाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा 12 बिस्वा है  
तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का  
16) के अधीन तारीख जनवरी, 82को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 बिस्वा चकरपुर में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 103 दिनांक 20-1-82 पर दिया  
है।आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतकतारीख : 18-9-82  
माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अशोक कुमार गोहन्का पुत्र श्री केशर नाथ गोहन्का, लक्ष्मी भवन मूषर, बिहार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मै. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि. 21-22 नरेन्द्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./187/81-82—अतः मुझे आर. के. भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसको ऋण भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—306GI/82

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग चकरपुर में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रजिस्ट्री संख्या 104 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-82  
मोहर :

प्रत्यक्ष अधि. टी. एन. एम. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं. वि./188/81-82—अत. मूके, आर. के.  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग  
है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी  
के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अशोक कुमार गोहन्का पुत्र श्री केदार नाथ  
गोहन्का, लक्ष्मी भवन, मुन्धेर, बिहार  
(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन  
लि. 21-22 नरन्दा पलेस,  
पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग चकरपुर में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 105 दिनांक 20-1-82 पर दिया  
है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-82  
मोहर : .

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहूतक

राहूतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./189/81-82--अतः मुझे आर. के. भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अशोक कुमार गोहन्का पुत्र श्री देवर नाथ गोहन्का, लक्ष्मी भवन मुन्धेर, बिहार (अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ हाउसीसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि. 21-22 नरन्दा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 106 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, राहूतक

तारीख : 18-9-1982  
माहुर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेदन सं. वि./190/81-82—अतः मुझे आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संस्था भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्परागत प्रतिफल से अधिक है और परम्परागत (घन्तरकों) और अन्तरितों (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओ. एन. गोडन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोडन्का  
27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27।  
(अन्तरक)

(2) मै. डी.एल.एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि.  
21-22, नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टावली के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 108 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-8-82  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./191/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओ. एन. गोहन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोहन्का 27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27 (अन्तरक)

(2) मै. डी.एल.एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि. 21-22, नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 109 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-82  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./192/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओ. एन. गोइन्का पुत्र श्री कैदार नाथ गोइन्का  
27 राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता 27।

(अन्तरक)

2. मी. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि.  
21-22 नरेन्द्र पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली रजिस्ट्री संख्या 109 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

दिनांक : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./193/81-82—अतः मुझे, आर. के.

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री अशोक कुमार गांधिका पुत्र श्री कोदार नाथ गांधिका लक्ष्मी भवन गान्धयार बिहार।

(अन्तरक)

(2) मे. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि.  
21-22 नरेन्द्रा पलेस पार्शियामेन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग गांव चकरपुर में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 111 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 18-9-1982  
मोहर :

प्राकृतिक आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं. दि/194/81-82--अतः मुझे, आर. के.

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग  
तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियां  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री प्रमर नाथ गोहन्का पुत्र केदार नाथ गोहन्का 30,  
पूर्वी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाडसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि.  
21-22 नरेंद्र पलेस पार्लियामेन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग गांव चकरपुर में  
स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 112 दिनांक 20-1-82 में किया  
है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-1982  
मोहर :

प्रारूप आदेश. टी. एन. एस. - -----

(1) श्री प्रेमर नाथ गोइन्का पुत्र केदार नाथ गोइन्का 30, पूर्वी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेदन सं दि/195/81-82--अत. मुम्बे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अध्याय 269-घ में परिभाषित किया गया है), की धारा 269-घ के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना देने के कारण है कि शहर परम्परा, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संपत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन लागू जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्बे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच अन्तर के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अधिनियम के अन्तर्गत अधिनियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

यहां निर्दिष्ट उक्त अधिनियम या अन्य आस्तियों का उचित बाजार मूल्य के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निर्दिष्ट उक्त अधिनियम या अधिनियम में अधिनियम के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :-

15-306 GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग गांव चकरपुर में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री सख्या 113 दिनांक 20-1-82 में किया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, रोहतक

दिनांक 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं. दि/196/81-82—अत. भूके, आर. के.  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग  
तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिगणितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में  
वार्षिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
परामर्शार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरनाथ गोहंका पुत्र केशर नाथ गोहंका 30,  
पुत्री मार्ग, वाराणसी बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि.  
21-22 नरेन्द्र पल्स पार्लियामेन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग गांव चकरपुर में  
स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 114 दिनांक 20-1-82 पर दिया  
है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

दिनांक 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./197/81-82---अतः मूके, आर. के. भयाना,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 9 बीघा 13 बिस्वा का 4/155वा भाग है  
तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अमरनाथ गोइन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोइन्का  
निवासी 30 पूर्वी मार्ग वसन्त विहार, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) मं. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि.  
21-22 नरेंद्रा पलेस पार्लियामेंट स्ट्रीट नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 वा भाग चकरपुर में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 115 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख - 18-9-1982  
सांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दिल्ली/198/81-82—अतः मुझे, आर. के  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी स' भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 1/36 भाग है  
तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स जसपाल सिंह मरवाह पुत्र स इन्द्र सिंह मकान  
39 ग्रीन पार्क, एकसटेशन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै. डी एन एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि  
21-22 नरेन्द्रा पलेस पार्लियामेंट स्ट्रीट नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 1/36 भाग चकरपुर में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण सख्या 131 दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्रीमती भूपिन्द्र कौर पत्नी श्री जसपाल सिंह भकान  
नं. 39 ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दिल्ली/199/81-82—अतः मुझे, आर. कं. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसको सं. भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वां है तथा जो चक्रपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और एवं सं. वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) मै. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि.  
21-22 नरेन्द्रा पलेस पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 बिस्वा चक्रपुर में स्थित है जिसका अधिका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 132 दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. कं. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक।

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं. दिल्ली/200/81-82—अतः मुझे, आर. के.  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 5/144 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वा है  
तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशन से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
यह अन्तरण के लिए तय माया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन. के. गोइन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोइन्का,  
27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाजीसिंग एण्ड कन्सल्टन्स लि  
21-22 नरोन्ना पलेम, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए संप्रैसादित करता हूँ

उक्त भाषा में अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन व 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा राजपत्र में उक्त सूचना लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, या उक्त अधि-  
नियम के प्रकरण 20-5 में परिभाषित है, बड़ी  
अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिये गए हैं।

अनुसूची

भूमि 5/144 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वा चकरपुर में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 133 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक।

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दिल्ली/201/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद का निमित्त;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन. के. गोहन्का पुत्र श्री केदार नाथ,  
27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाजीमिंग एण्ड कन्सल्टेशन लि.,  
21-22 नरन्दा पलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 वां भाग चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीसंख्या 133 दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, रोहतक।

तारीख : 18-9-1982  
सहृदय :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री एन. के. गोइन्का पुत्र श्री केदार नाथ,  
27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) मै. डी. एल. एफ. हाउमिंग एण्ड कन्सल्टेशन लि.,  
21-22 नरेन्द्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दिल्ली/202/81-82—अतः मुझे, आर. के.  
भयाना,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है  
तथा जो चक्रवर्ग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और एण्ड रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग चक्र-  
वर्ग में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 135, दिनांक 25-1-82  
पर दिया है।आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक।

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, राहृतक

राहृतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दिल्ली/203/81-82---अतः मुझे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी में भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चंकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्री एन. के. गोहन्का पुत्र श्री केशर नाथ,  
9/ राधा संतोष रोड, गजपत्ता-27।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाजीसिंग एण्ड कन्सल्टेशन लि.,  
21-22 नरनेन्द्रा पलेम, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थिर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग चंकर-पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीसंख्या 136, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज, राहृतक।

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दिल्ली/204/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चकरपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के. के. गोयनका पत्र केदार नाथ, 27 राजा सन्तोष रोड, कनकसा।  
(अन्तरक)

(2) मै. जी. एन. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि., 21-22 नरेंद्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अक्षर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग चकरपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीसंख्या 138, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, रोहतक।

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्रारूप ० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निबंध सं. दिल्ली/205/81-82—अतः मुझे, आर. के.

भयाना,  
आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है  
तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
हूँसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के. के. गोयनका पुत्र केशर नाथ, 27 राजा  
- सन्तोष रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाजीसंग एण्ड कन्सल्टेशन लि.,  
21-22 नरेंद्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग चकर-  
पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय, देहली में रजिस्ट्रीसंख्या 139, विनांक 25-1-82  
पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक।

तारीख : 18-9-1982  
साहू :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के. के. गोयनका पुत्र केदार नाथ, 27 राजा मन्तोष रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मँ. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि., 21-22 नरेन्द्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 मितम्बर 1982

अर्जन रंज, रोहतक

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं. दिल्ली/206/81-82--अतः मँ. आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी स. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मँ. यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच एम्में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एम्में किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवित्तियों, अर्थात् :--

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग चकर-पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, वहेली में, रजिस्ट्रीसंख्या 140, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक।

तारीख 18-9-1982  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./207/81-82—अतः मुझे आर. के.

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृहीत है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन. के. गोइन्का एवं श्री केदार नाथ,  
27 राजा संतोष रोड, कनकता-27।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाजिसिंग एण्ड कन्सल्टेशन लि.,  
21-22 नरेन्द्रा पलेम, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 वां भाग चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 141, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक।

तारीख : 18-9-82  
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं. दि./208/81-82—अतः भूमि आर. के.  
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघे 13 बीस्वे का 5/144 वां  
भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह  
विश्वास करने का कारण है कि पर्याप्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गैर-  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए. एन. गोयनका पुत्र कंदार नाथ  
नि. 27, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता-27  
(अन्तरक)

(2) श्री. डी.एल.एफ. हाऊसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि.  
21-22, नरेन्द्रा प्लस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघे 13 बीस्वे का 5/144 वां भाग  
चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीसंख्या 141 दिनांक 25-1-82  
पर दिया है।

आर. के.भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-82

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय  
कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दि./209/81-82--अतः गये आर के  
भयानाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. भूमि 9 बीघे 13 बिस्वे का 5/144वां  
भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908  
का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 82को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--(1) श्री ए. एन. गोयनका पुत्र केशर नाथ  
नि. 27, गंगा मन्ताप रोड, कागकना-2/

(अन्तरक)

(2) मै. डी.एल.एफ. हाउसीसंग एण्ड कन्सल्टेशन लि  
21-22, नरेंद्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 9 बीघे 13 बिस्वे का 5/144 वां भाग  
चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीसंख्या 142 दिनांक 25-1-82  
पर दिया है।

आर. के.भयाना

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-82  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. दिल्ली/210/81-82—अत. मन्त्रे, आर. के.  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मन्त्रे प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघे 13 बिस्वों का 5/144वा  
भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मन्त्रे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में संश्लेषित कर में नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य यास्नियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, ग्रहण में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ए. एन. गोयनका पत्र केदार नाथ,  
नं. 27, गंगा संतोष रोड, हाउस 2/1  
(अन्तरक)

(2) मैं डी एन एफ हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि  
21-22, नरेश्वर प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अग्रज के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अग्रज के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघे 13 बिस्वों का 5/144वा भाग  
चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीमन्त्र्या 144, दिनांक 25-1-  
82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
मन्त्रे प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, रोहतक।

तारीख 18-9-82  
माहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. करनाल/94/81-82—अत मूक, आर. को.

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. 1 बीघा 3 बिस्वे है तथा जो करनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में वास्तविक रूप में कर्तव्य नहीं किया गया है --

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

17-306CI/82

(1) सर्व श्री प्यारा सिंह, अवतार सिंह  
पुत्रान अनोख सिंह  
श्री दर्शन सिंह पुत्र जंगीर सिंह  
नि. न्यू प्रेम नगर, करनाल

(अन्तरक)

(2) श्री रोहित मधोक पुत्र भूपिन्दर चन्द मधोक  
नि. 212-आर. माडल टाउन, करनाल

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 3 बिस्वे करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण 5194 दिनांक 27-1-82 पर दिया है।

आर. को.भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख 18-9-82

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. करनाल/98/81-82---अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 200 व. ग. है तथा जो करनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

1. श्री प्यारा सिंह पत्र अनोल सिंह श्री लखा सिंह, लु. प्रेम नगर, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री राहित मधोक पत्र बहादुर चन्द नि. 212 आर. माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आपेक्षे :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 200 व. ग. करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्रीसंख्या 5116 दिनांक 22-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं. करनाल/99/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. भूमि 6 बीघा 12½ बिस्व है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स. क. के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगबीर सिंह पत्र लखा सिंह, प्रेम नगर, करनाल (अन्तरक)

2. श्री रोहित मधोक पत्र बहादुर चन्द म. नं. 212-आर, माडल टाउन, करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो. उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति 6 बीघे 12½ बिस्व करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री-संख्या 5115 दिनांक 22-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश स. करनाल 197/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 6 बीघा 12 $\frac{1}{2}$  बिस्वा है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगबीर सिंह पृथ्वी लखा सिंह नि. न्यू प्रेम नगर, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मधोक पत्नी बहादुर चन्द त्रि. 212 आर-माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2A-क में परिभाषित हैं, उसी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 6 बीघे 12 $\frac{1}{2}$  बिस्वा करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्रीसंख्या 5117 दिनांक 22-1-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982  
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश स. जे. डी. आर./98/81-82—अतः मुझे,  
आर. के भयाना,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. हाउस न. 141 माडल कालोनी, यमुना नगर  
है तथा जो यमुनानगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गृहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इकबाल आबरी पुत्र दिवान खन्व निवासी बी-  
4, 1451/17 ओवरो कालोनी यमुनानगर।

(अन्तरक)

1. श्रीमति कमलेश रानी पत्नी श्री दर्शनलाल हाउस न.  
141, स्थित माडल कालोनी यमुनानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति हाउस न. 141 माडल कालोनी यमुनानगर में स्थित  
है जिस का अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी  
में रजिस्ट्री संख्या 6400 दिनांक 29-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982  
मोहूर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री इमरात पुत्र श्री बीरबल गां. व. डा. -मांगर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. बल्लभगढ़/446/81-82--अतः मूझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 50 बीघे पुरता है तथा जो गांव मांगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगवरी 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मैं. नागिया लैंड डवलपमेंट कन्सल्टेशन कं. प्रा. लि., 506, चिरन्जीव टावर 43 नंहरू प्लेस, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति 50 बीघे मूस्ता मांगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीसंख्या 13239 दिनांक 8-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, राहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश स लाडवा/1/81-82--अतः भूमि, आर. को. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. भूमि है तथा जो नजदीक लाडवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाडवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिायों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्र सिंह पत्र मुख्द सिंह, नि. माजरा तहसील थानेसर।

(अन्तरक)

(2) श्री रांशन लाल पत्र श्री अभेराम,  
श्री सियाराम पत्र सोन्धी  
श्री श्रवण पत्र बाबू राम,  
श्री काला राम पत्र कांशा  
श्री धान्धी राम पत्र बोराला  
श्री श्रवण कुमार पत्र बंसी  
श्री जीतराम पत्र श्री नन्द लाल  
श्री दलाल सिंह पत्र जोतराम निवासी हमीरपुर जिला थानेसर।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि लाडवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय लाडवा में रजिस्ट्रीसंख्या 535 दिनांक 15-1-82 पर दिया है।

आर. को. भयाना

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, राहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

पञ्चम भाग . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. जगाधरी /96/81-82--अतः मुझे, आर  
के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 32 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव  
भन्भोली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के  
अधीन तारीख जनवरी, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण ग. हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्री सगदार सिंह पत्र श्री राम सिंह गांव लखनौटी त.  
जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरता राम पत्र श्री लखमनदाम गांव तेंजनी त.  
जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 32 कनाल 17 मरला गांव भन्भोली में स्थित है।  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में  
रजिस्ट्री संख्या 6384 दिनांक 28-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, राहतक

तारीख 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं. करनाल/100/81-82—अन. मूके, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 6 बीघा 8 बिस्वा है तथा जो करनाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से 'हूँ' किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—306, GI/82

(1) श्री हरि राम, गुरमत एवं राजवीर पत्र श्री तेल निदामी नगर मयना न. करनाल।

(अन्तरक)

(2) मै. जं. के. (जैमके) एन्टरपराइजिज द्वारा श्री जगदीश चन्द्र गुप्ता पत्र श्री कली राम पत्र श्री शोकन चन्द निदामी दिल्ली तथा अब करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 5 बीघा 8 बिस्वा करनाल में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 5101 दिनांक 21-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, राहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, राहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश म. कालका /30/81-82—अतः भूके, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं. 781 है तथा जो कालका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हरदीप कौर पत्नी श्री ध्यान सिंह निवासी कालका।

(अन्तरक)

(2) श्री चित्तामनी एवं करम चन्द बन्सल पुत्र श्री बालू मन म. न. 781 गांधी चौक कालका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हो या, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान कालका में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कालका में रजिस्ट्री संख्या 1972 दिनांक 5-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, राहतक

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश स. जगाधरी/92/81-82--अत मुझे, आर के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं भूमि 14 कनाल 8 मरला है तथा जो राधोली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच गये अन्तरण के लिए तय नारा गरा प्रतिकल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्लेख बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी घन या अन्य मास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री सभाष चन्द्र, श्रीमति कमलेश रानी पत्नी श्री रमेश चन्द्र श्रीमती वर्षा रानी पत्नी श्री नारायण दास श्रीमती प्रेम रानी पत्नी श्री सकन्दर लाल सभी निवासी म. न. 152 माडल कालोनी जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कृष्णा शान्की पत्नी श्री सत प्रकाश श्री सुरेश कुमार शान्की पुत्र श्री सत प्रकाश श्री नरनेन्द्र कुमार पुत्र श्री अमर नाथ सभी निवासी धिमन लाहन्स जगाधरी रोड यमुनानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अड्डाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 14 कनाल 8 मरला राधोली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री मसूदा 6291 दिनांक 22-1-82 पर दिया है।

आर के भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख 18-9-1982  
साहू

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. हिसार/151/81-82—अतः मुझे आर.के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 157 है तथा जो कृष्णा मण्डी हिसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम विलास पुत्र परमानन्द  
नि. 22 नन्द निवास नजदीक अशोक नगर अथवा  
लाईन सूरत (गुजरात)।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती देवी पत्नी श्री खुशीराम  
श्रीमती बिमला देवी  
नि. महादेव प्रसाद, शिवाजी गली,  
दयानन्द कालेज रोड, हिसार  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वप्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बूकान नं. 157 कृष्णा मण्डी हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीसंख्या 4866 दिनांक 8-1-82 पर दिया है।

आर० के० भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज, राहतक

तारीख 18-9-82  
मांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

राहतक, दिनांक 18 मिनम्बर 1982

निर्देश म अम्बाला, 86/81-82—अत मुझे, आर के भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी म भूमि 240 कनाल 3 मरल है तथा जो तामनाला म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोक्तानुसार दृश्य में उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) सर्वश्री विश्वनाथ, आदि पुत्रान दीना नाथ नि तमनोली त अम्बाला  
बशशर नाथ, श्रीमती शीला रानी, शान्ति रानी पुत्रीया दीना नाथ नि तमनोली।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्ताख लाल पुत्र बरयाम लाल श्री साधु पुत्र लज्जा राम गुलाब सिंह पुत्र साधु करनोत दीवी पुत्री साधु नि कागल त अम्बाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 240 कनाल 3 मरल तामनाला म स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला म, रजिस्ट्रीसंख्या 4526 दिनांक 28-1-82 पर दिया है।

आर के भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख 18 9-82  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश स. सिरसा/38/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो हिसार रोड, सिरसा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनि:—

(1) सर्वश्री शिव कुमार, चान्द लाल  
विजय कुमार पुत्रान श्री नेम कुमार  
उपनाम नेम चन्द पुत्र गुर दयाल मल  
नि. सिरसा

(अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री जगदीश कुमार, जयनारायण पुत्रान  
रामजीलाल पुत्र हीर दय राम  
नि. दाबालल्या त. सिरसा  
2. श्रीमती रेणु पुत्री राम सरूप पुत्र उजाला राम।  
नि. सिरसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट, हिसार रोड, सिरसा पर स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्रीसंख्या 6569 दिनांक 15-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख 18-9-82  
मोहर.

प्रमाण आई टी एन एन --- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन राज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 मितम्बर 1982

निर्देश सं. बल्लभगढ़/455/81-82—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 16 कनाल है तथा जो लकड़पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री रिखन, महीपाल पत्रान श्रीमती भूरी पत्नी, हर पन्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री सजय चावला पुत्र लाभ मल मार्फत मैं सुपर टायर्स प्रा लि, करनाल।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 16 कनाल लकड़पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीसिन्ध्या 13376 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन राज, रोहतक

तारीख 18-9-82

सांहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश में. बल्लभगढ़/435/81-82---अन: मुझे, आर.  
के. भयाना,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है,

और जिसकी में भूमि 16 कनाल है तथा जो लकड़पुर में स्थित  
है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री नाथी हरती नि. लकड़पुर

(अन्तरक)

2. श्री संजय चावला पुत्र श्री. एल. चावला माफत में.  
मुपर टायर्स प्रा. लि. करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल लकड़पुर में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजि-  
स्ट्रीसंख्या 13314 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एल. ----

1. श्री गूलशन कुमार पुत्र बृह्म राम नि. सन्धाली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मै. पूजा राईस निज, गांव-सन्धाली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेदन सं. पं. 116/81-82-अतः मुक्त, आर. के.  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 40 कनाल 3 मरले है तथा जो सन्धाली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पं. 116 में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
19-306GI/82

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 40 कनाल 3 मरले गांव सन्धाली में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पं. 116 में,  
रजिस्ट्रीसंख्या 1314 दिनांक 18-1-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजन, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश सं. बल्लभगढ़/454/81-82—अतः भूमे, आर. के.  
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 13 कनाल है तथा जो लकड़पूर में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी  
1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पश्चात्पूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में सम्पत्ति का से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरित या गण्य नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, कृपाने में  
मुखिद्या के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम चन्द पुत्र श्री वजीर गांव लकड़पूर त.  
बल्लभगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री संजय चावला पुत्र बी. एल. चावला, मार्फत  
मै. सपर टायर्स प्रा. लि., करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 कनाल लकड़पूर में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजि-  
स्ट्रीसंख्या 13315 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंजन, रोहतक

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. पं०/117/81-82--अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 44 कनाल 4 मरले है तथा जो सन्धौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पं०/वा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

1. श्री गुलशन कुमार पुत्र बूडा राम गांव सन्धौली।  
(अन्तरक)
2. मं. शक्ति राईस मिल, गांव-सन्धौली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 44 कनाल 4 मरले गांव सन्धौली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पं०/वा में रजिस्ट्रीसंख्या 1337 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. बल्लभगढ़/457/81-82—अतः मुझे, आर.  
के. भयाना,  
आयकर प्रविनिधय, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं. भूमि 1008 व. ग. है तथा जो बल्लभगढ़ में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का उचित  
प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बंधी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अतंगपाल पुत्र राजेन्द्र कुमार नि. राजेन्द्र फार्म,  
फरीदाबाद।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कैलाश चन्द्र पुत्र गोपाल चन्द नि. 60/  
29, रामजस रोड, नई दिल्ली  
2. सोनलाल सुपुत्र मनोहर लाल, लकड़पुर  
3. सुनील कुमार पुत्र बोधराज नि. 16/2597,  
आर्य समाज रोड, फरीदाबाद  
4. रमेश गुलाटी पुत्र राम गुलाटी।

(अन्तरितो)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन क  
लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त संपत्ति के प्रवर्तन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1008 व. ग. बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजि-  
स्ट्रीसंख्या 13420 दिनांक 14-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982  
सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. गुड़गांव/314/81-82--अतः मुझे, आर.  
के. भयाना,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. भूमि 8 विस्वा है तथा जो सिकन्दर पुर  
घोसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जनवरी 82  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री शीशाराम पुत्र कन्हैया नि. सिकन्दरपुर घोसी।  
(अन्तरक)

(2) मै. वेहली लैन्ड एण्ड फार्मनेस लि. 21-22,  
नरेंद्र पलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 8 बीघे सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में,  
रजिस्ट्रीसंख्या 3653 दिनांक 1-1-82 पर दिया है।

आर. के भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 18-9-1982  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री बलीप सिंह पुत्र गणपत सिंह नि. सिकन्दरपुर।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) म. बोहली लेन्ड एण्ड फार्मनेन्स लि. 21-22,  
नरेन्द्र पलेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश सं. गुड़गाँवा/315/81-82--अतः मुझे, आर.  
के भयाना,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. भूमि 7 बिस्वे है तथा जो सिकन्दरपुर  
में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गाँवा  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जनवरी 82को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--**(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी कटौत या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
ना/वा****(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरास्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होना या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 7 बिस्वे सिकन्दरपुर में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गाँवा में  
रजिस्ट्रीसंख्या 3654 दिनांक 1-1-82 पर दिया है।आर. के भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतकतारीख : 18-9-1982  
मोहर :

प्रत्यक्ष भाई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, राहटक

राहटक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश. सं. गुडगावा/316/81-82—अतः मूझे, आर.  
के. भयाना,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकी पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. भूमि 6 बिस्वा है तथा जो सिकन्दरपुर  
घोसी में स्थित है (और इससे उपायवध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगावा  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जनवरी 82  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
मूल्य में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री हरी सिंह पुत्र गणपत सिंह गांधी सिकन्दरपुर  
घोसी।

(अन्तरक)

(2) मै. वेहली लैन्ड एण्ड फार्मनेस लि. 21-22,  
नरेंद्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबदफ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 6 बीघे सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगावा में, रजिस्ट्री-  
संख्या 3655 दिनांक 1-1-82 पर रखा है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, राहटक

तारीख : 18-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. प्रो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, राहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश सं. गुडगांवा/317/81-82—अतः मुझे, आर.

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 3 बीघा 7 बिस्वा है तथा जो सिकन्दरपुर घांसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 82

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतः संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भाग सिंह पुत्र जय किशन  
श्री कृष्ण लाल इन्दराल सिंह  
नि. सिकन्दरपुर।

(अन्तरक)

(2) में. बहली लैन्ड एण्ड फार्मनेस लि. 21-22,  
नरेंद्र पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 3 बीघे 7 बिस्वे सिकन्दरपुर घांसी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांवा में रजिस्ट्रीकरण संख्या 3656 दिनांक 1-1-82 पर दिया है।

आर. के भयाना  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, राहतक

तारीख : 18-9-1982  
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० 3/जन०/82—यत, मुझे, एस० लहरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यात् संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2ए है तथा जो सुबरमनियपुरम, पल्लिवासल,  
स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै  
(डाकुमेंट सं० 393/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जनवरी 1982,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  
20—306GI/82

1 श्री सिकन्दर खान और अन्य

(अन्तरक)

2 श्रीमती हर्षन गुलजार बेगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यात् संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 2ए, पल्लिवासल लेन, सुबरमनियपुरम  
मदुरै (डाकुमेंट सं० 393/82)।

एस० लहरी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 17-9-1982

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11 the 10th September 1982

No. A.19013/2/82-Adm-I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Singhal, IPS (D&CF) as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 8th September, 1982 until further orders.

Y. R. GANDHI,  
Under Secy.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi, the 18th October 1982

No. A-22013/2/82-AD V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following Inspectors of Police as following Dy. Directors of Police in CBI/SHI on deputation with effect from the date shown against each until further orders:—

Name of the officer and present place of posting	States to which belongs	Date of appointment as DSP in CBI/SPE
1. Shri A.K. Dutta, CBI/GOW/Calcutta	Calcutta Police	4-9-82
2. Shri B.S. Ambekar, CBI/EOW/Bombay	Maharashtra	2-8-82
3. Shri G.I. Doabia, CBI/Ahmedabad	Gujarat	24-7-82
4. Shri D. Bhuyan, CBI/Shillong	Assam	26-7-82
5. Shri D. Krishnan, CBI/GOW/Madras	Tamil Nadu	24-7-82

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer (E)  
Central bureau of investigation

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 10th September 1982

No. O II-1767/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Chandia Prakash Arya as Junior Medical Officer the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30th August 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 10th October 1982

No. O II-7/76-Estt.—Consequent on his repatriation to present state i.e. Madhya Pradesh, Shri J. M. Qureshi, IPS(MP-1956) relinquished the charge of the post of Deputy Director (Adm) of Directorate General, CRPF, on the forenoon of the 2nd September 1982.

2. Shri Qureshi has been sanctioned 59 days EL with effect from 2-9-82 to 30-10-82 with permission to suffix 31-10-82 and 1-11-82 being Sunday and Gazetted Holiday respectively and has been directed to report to D. G. M. P. Police, Bhopal, on expiry of leave.

The 5th October 1982

No. O II-1759/82-Estt.—The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr. Vinay Kumar as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th September 1982 for a period of three

months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. D I 2, 32 E-1.—Consequent on his appointment on deputation to Ministry of Police, Shri Lalit Mohan, Commandant 13 Bn (CR) relinquished the charge of the post of Commandant 13 Bn on the afternoon of 15-9-82.

A. K. SURI,  
Assistant Director (Estt)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 6 October 1982

No. 11/72/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion the under-mentioned Deputy Directors of Census Operations as Joint Director of Census Operations, on a temporary and ad-hoc basis, in the offices as mentioned against each, for a further period upto the 16th August, 1982:—

S. No.	Name of the officer	Office in which working	Prescribed headquarters
1	2	3	4
1.	Shri B.T. Pillai	Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum.	Trivandrum.
2.	Shri Abdul Gani	Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar.	Srinagar
3.	Shri S. Sinha	Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta.	Calcutta
4.	Shri Ardaqan Singh	Director of Census Operations, U. T. Chandigarh, Chandigarh,	Chandigarh
5.	Shri A.W. Mahatma.	Director of Census Operation, Maharashtra, Bombay.	Bombay.

No. 10/19/82-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 10 June, 1982, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri Y. S. Rao as Deputy Director and S/Shri M. V. Rao and B. S. Verma as Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, for a further period upto the 31st July, 1983 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of S/Shri Y. S. Rao, M. V. Rao and B. S. Verma will be at New Delhi.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India

## FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th October 1982

No. FC 2(20)-A/82.—Consequent on his transfer from the Economic Administration Reforms Commission, New Delhi, Shri B. S. Mussania, Research Officer has been appointed as Research Officer in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 700-1300 with effect from the afternoon of 24th September, 1982 and until further orders.

No. FC 2(21)-A/82.—Consequent on his transfer from the Planning Commission, New Delhi, Shri S. P. Rastogi, Research Officer has been appointed as Deputy Director in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 1100-1600 with effect from the forenoon of 25th September, 1982 and until further orders.

No. FC 2(22)-A/82.—Consequent on his transfer from the Planning Commission, New Delhi, Shri N. I. Vyas, a Grade III Officer of Indian Economic Service and Senior Research Officer has been appointed as Officer-on-Special Duty in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs.

1300-1800 with effect from the afternoon of 25th September, 1982 and until further orders.

S. L. MATHUR,  
Under Secy. (A)

#### MINISTRY OF FINANCE

##### DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS,

B. N. P. DEWAS (MP)  
Dewas, the 3rd October 1982

No. F. No. BNP/C/5/82.—In continuation to this office Notification of even number dated 1-7-82, the ad-hoc appointment of Shri R. K. Ghoshal as Technical Officer (Printing & Plates) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of three months w.e.f. 1-10-82 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier on the same terms and conditions

M. V. CHAR,  
General Manager

#### MINISTRY OF DEFENCE

##### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD  
Calcutta-16, the 7th October 1982

No. 45/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri A. K. De Sarkar, Offg. Asstt. Works Manager (Permanent Foreman) retired from service w.e.f. 31st July, 1982 (AN).

V. K. MEHTA,  
Director

#### MINISTRY OF COMMERCE

##### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS

##### AND EXPORTS

(IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL)  
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 7th October 1982

No. 6/940/71-ADMN(G)/6471.—The President is pleased to grant extension of service to Shri J. K. Mathur, an officer officiating in Grade 1 of the Central Secretariat Service and Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, beyond the age of his superannuation with effect from the 1st July, 1982 to 31st August, 1982.

2. The President is also pleased to permit Shri J. K. Mathur to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st August, 1982.

A. S. KAUL,  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

#### DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700001, the 6th October 1982

No. Estt. I./1(5)82/5641.—In pursuance of Department of Statistics, Ministry of Planning, O. M. No. A-12015/1/80-ISS, dated the 14th September, 1982, Shri Subrata Kumar Das, a Grade IV probationer of ISS assumed charge of the post of Assistant Director (ISS, Grade IV) in this office on the forenoon of 17-9-1982.

The 5th October 1982

No. Estt. I./1(4)82/5648.—In pursuance of Department of Statistics, Ministry of Planning, O. M. No. A-12015/1/80-ISS, dated the 14th September 1982, Shri Bimal Kumar Giri, a grade IV probationer of I.S.S. assumed charge of the

post of Assistant Director (ISS, Grade IV) in this office on the forenoon of 17-9-82.

No. Estt. I./1(6)82/5654.—In pursuance of Department of Statistics, Ministry of Planning, O. M. No. A-12015/180-ISS, dated the 14th September, 1982, Shri Guru Charan Manna, a grade IV probationer of I.S.S. assumed charge of the post of Assistant Director (ISS, Grade IV) in this office on the forenoon of 20-9-1982

D. C. DATTA,  
Director General

#### MINISTRY OF INDUSTRY

##### DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st August 1982

No. 12(532)/66-Admn.(G) Vol. II.—The President is pleased to permit Shri K. A. Lingam, Assistant Director (Gr. I) (General Administrative Division), Regional Testing Centre, Madras to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-7-82.

C. C. ROY,  
Deputy Director (Admn.).

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

##### INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 5th October 1982

No. 4-186/82/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Sunil Kumar Biswas, Office Superintendent to the post of Junior Administrative Officer (Group B—General) in the scale of Rs. 650-1200/- in the Survey at Southern Region, Mysore, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 14th September 1982, until further orders.

M. S. RAJAGOPALAN,  
Senior Administrative Officer

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 1st October 1982

No. F. 92-172/80-Estt./25449.—Dr. Supada Govind Patil is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the scale of Rs. 650-1200) in the Freshwater Biological Station, Zoological Survey of India, Hyderabad, in a temporary capacity with effect from the 10th August, 1982 (forenoon) and until further orders.

A. K. MANDAL,  
Senior Administrative Officer,  
Zoological Survey of India.

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th October, 1982

No. 6(104)/63-SI.—On attaining the age of superannuation Smt. E. N. Kharkongor, Programme Executive, All India Radio Shillong retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1982.

No. 4(53)/75-SI.—Consequent on his appointment as an Assistant Secretary in the Sangeet Natak Akademi, New Delhi, Shri Bhurat Ratna Bhargava, Programme Executive, All India Radio, New Delhi was relieved of his duty on the afternoon of 16th August, 1982 to join duty in the Sangeet Natak Akademi New Delhi on deputation.

H. C. JAYAL,  
Dy. Director of Administration  
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION**

Bombay 400026, the 5th October 1982

No. 17/64/49-Est 1—Kum S. Sen, Officiating Branch Manager, Films Division Bombay has been allowed by the Competent Authority to officiate in the same capacity beyond 9th July, 1982 to 13th August, 1982 vice Shri P. S. Rawtel, Branch Manager, granted extension of leave

V. R. PESWANI,  
Assistant Administrative Officer  
for Chief Producer

**MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Fardabad, the 1st October, 1982

No A-19025/6/82-A III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Dilip Kumar Sinha has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 30-8-1982 (FN), until further orders.

The 4th October 1982

No A. 12025/8/79 AI—The post of Deputy Director (Refrigeration) (General Central Service Group-A) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 in the Directorate of Marketing & Inspection is re-designated as Senior Marketing Development Officer (Cold Storage Refrigeration) with immediate effect

(Authority: Ministry of Rural Development letter No. 1-1/82-AM, dated 4-9-1982).

G. S. SHUKLA,  
Agricultural Marketing Adviser to the  
Government of India

**BHARAT ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-85, the 29th September 1982

No. PA/79(4)/80-R-III—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Govind Vishnu Mandke, officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre for the period from 22-7-1982(FN) to 31-8-1982 (FN).

The 4th October 1982

No Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Abdul Karim Mohiuddin Nark, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period from 23-8-82 (FN) to 22-9-82 (AN)

B. C. PAL,  
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 16th September 1982

No PPED/4(851)/80-Adm/12908.—Consequent on his resignation Shri N. Padmanaban, Scientific Officer/Engineer Grade-SB in this division relinquished charge of his post in this Division with effect from the afternoon of Jaunary 30, 1982

B. V. THATTE,  
Administrative Officer

**NARORA ATOMIC POWER PROJECT**

Bullandshahi, the 7th October 1982

No. NAPP/Adm.1(103)/82-S/11931 —On attaining age of superannuation Shri Prakash, permanent Supdt. and temporary Asstt Personnel Officer officiating as Administrative Officer II in NAPP, on adhoc basis, retired from Government Service wef the afternoon of September 30, 1982.

R. K. BALI,  
Administrative Officer-III

**DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

Bombay 400001, the 24th September 1982

No. DPS/21/1(2)/78-Est /20699 —The Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Shashikant Narayan Deshmukh, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB 35-880-40-1000-EB-40-1200 from 29-4-1982 (FN) to 31-8-1982 (AN) and in a regular capacity with effect from 1-9-1982(FN) in the same Directorate until further orders.

The 29th September 1982

Ref. No. DPS/23/5/79-Est /30032 —The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kannampara Thatri Lakshmanan, a permanent Jt. P. A. and officiating Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 EB-35 880-40-1000-EB-40 1200 from May 3, 82(FN) to June 12, 82(AN) in the same Directorate vice Shri V. S. Ramaswamy, Assistant Purchase Officer promoted as Purchase Officer

The 30th September 1982

Ref No. DPS/23/4/82-Est /30077 —The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Krishnan Lal Ahluwalia, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40 1000-EB-40 1200 from August 10, 82(FN) to September 10, 82(AN) in the same Directorate vice Shri S. S. Pradhan, Assistant Purchase Officer, granted leave.

Ref No. DPS/23/3/82-Est /30081 —The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mihir Chandra Roy, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from May 3, 82(FN) to June 2, 82(AN) in the same Directorate vice Shri I. P. Menon, Assistant Stores Officer, granted leave

K. P. JOSEPH,  
Administrative Officer

**OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL  
AVIATION**

New Delhi, the 30th September 1982

No. A-32013/13/82-EA —The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. Lakra, Deputy Director, Bombay Airport as Regional Controller of Aerodromes, Bombay Airport, with effect from 1-10-1982 and until further orders.

O. P. JAIN,  
Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 29th September 1982

No A.32013/11/80-EI —In continuation of this Office Notification No. A. 32013/11/80-EI, dated the 15-6-1982 the President is pleased to appoint the following officers to the post

of Director of Communication on an adhoc basis upto the period indicated against their names:—

S. No.	Name	Period		Station of posting
		From	To	
1.	Shri M.S. Krishnan	1-1-82	31-10-82	Madras
2.	Shri K. Tekchandani	1-1-82	31-10-82	Palam

O. P. JAIN  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 25th September 1982

No. A.38013/6/82-EC.—Shri B. P. Pramanick, Assistant Communication Officer in the office of the Director of Communication, Aero. Comm. Sin Calcutta of Aero. Comm. Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office on retirement on 31-8-82(AN) on attaining the age of superannuation.

The 5th October 1982

No. A.32014/2/82-EC.—The president is pleased to appoint Shri P.K. Das, Communication Assistant in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 w.e.f. 29th April, 1982 and to post him to ACS, Calcutta.

PREM CHAND,  
Assistant Director(Admn)

New Delhi, the 1st October 1982

No. A.12025/1/80-EW.—On the basis of recommendation of Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Paramu Rajendran to the post of Electrical & Mechanical Officer in the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1000-50-1300, in an officiating capacity with effect from the 16th September 1982 (Forenoon) and until further orders

Shri Paramu Rajendran is posted to the Electrical & Mechanical Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

THAKAR DAIT  
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 7th October 1982

No. A.32013/3/80-ES.—The President is pleased to appoint the following four officers in the grade of Dy. Director controller of Aeronautical Inspection on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 19-2-1982:-

1. Shri S. Ranjan
2. Shri V. D. Sethi.
3. Shri T. C. Ahluwalia
4. Shri C. V. Swaminathan.

The 8th October 1982

No. A.31013/5/81-ES.—The President is pleased to appoint the undermentioned four officers in a substantive capacity in the grade of Air Safety Officer (Engg.) in the Civil Aviation Department with effect from the dates shown against their name :-

1. Shri L. N. Lall—5-9-1981
2. Shri M. L. Nagar—5-9-1981
3. Shri B. K. Srivastava—5-9-1981
4. Shri Jai Vir Singh—11-9-1981

J. C. GARG  
Asstt. Director of Administration.

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

#### COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

Chandigarh, the 1st October 1982

No. G/STAT/560/5742.—Whereas Bishan Singh Jaswant Singh Company (P) Ltd. in Liquidation having its registered office Dayal Villa Patiala is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting the affairs of the company have been completely wound up and that Statement of Accounts (return) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provision of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s Bishan Singh Jaswant Singh Company Pvt. Ltd. will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

B. M. Jain,  
Registrar of Companies,  
Punjab, H.P. & Chandigarh

Gwalior, the 6th October 1982

No. 1227/C.P./2485.—In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. NEERJA INVESTMENT AND TRADING COMPANY PRIVATE LIMITED. Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s Neerja Investment and Trading Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA,  
Registrar of Companies,  
Madhya Pradesh Gwalior.

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 5th October 1982

No. F.48-AdA(T)/82.—(1) Shri N. C. Chaturvedi, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches who continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the 16th May, 1982 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1982, dated 15th May, 1982, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi with effect from 16-8-1982 to 22-8-1982 (Afternoon) and as Assistant Registrar Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack from 23-8-1982 to 15-11-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade

No. F. 48-Ad(AT)/82.—(2) Shri Surendra Prasad, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench Bangalore on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the 16th May, 1982 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1982, dated

15th May, 1982 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore with effect from the 16th August, 1982 to 15-11-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. Prasad, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGIA,  
President

#### CORRIGENDUM

A. The 'Schedule' portion of the notices (in English and Hindi) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 569 published in the official gazette dated 26th June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2459 of SRO Pathanamthitta" instead of "11 cents of land with a building in Sy. No. 216/1A of Pathanamthitta village".

B. The 'Schedule' portion of the notices (in English and Hindi) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 570 published in the official gazette dated 26th June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2477 of SRO, Pathanamthitta" instead of "11 cents of land with a building in Sy. No. 216/1A of Pathanamthitta village".

C. The 'Schedule' portion of the notices (in English and Hindi) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 571 published in the official gazette dated 26th June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2494 of SRO, Pathanamthitta" instead of "11 cents of land with a building in Sy. No. 216/1A of Pathanamthitta village".

D. The 'Schedule' portion of the notices (in English and Hindi) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 572 published in the official gazette dated 26th June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2494 of SRO, Pathanamthitta" instead of "11 cents of land with a building in Sy. No. 216/1A of Pathanamthitta village".

P. J. THOMASKUTTY  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMI BUILDING II<sup>nd</sup> FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006  
Madras-600 006, the 17<sup>th</sup> September 1982

Ref. No. 3/Jan/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 2A, situated at Subramaniapuram Pallivasal Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 393/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) B. Sikkandar Khan,  
S. Mahboob Begum,  
2, Pallivasal Lane Subramaniapuram,  
Madurai.

(Transferor)

(2) Haroon Gulzar Begum  
36 Zarikankara St. Madurai-625 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building No. 2A, Pallivasal Lane, Sbramaniapuram, Madurai. (document No. 393/82).

S. LAHIRI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 17-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) B. Sikkandar Khan,  
S. Mahboob Begum,  
2, Pallivasal Lane Subramanipuram,  
Madurai.

(Transferor)

(2) Haroon Gulzar Begum,  
36 Zarikaikara St. Madurai-625 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMI BUILDING II<sup>nd</sup> FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 4/Jan[82].—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 1968/1A situated at Pallivasal Lane Subramanipuram Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 395/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land in S. No. 1968/1A, Pallivasal Lane, Subramanipuram, Madurai (Document No. 395/82).

S. LAHIRI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1982.  
Seal :

FORM ITNS — — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMI BUILDING IInd FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 5/Jan,82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 2, situated at Pallivasal Lane Subramaniapuram Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 278/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income (or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—306 GH/82

(1) B. Sikkandar Khan  
S. Mahboob Begum,  
2, Pallivasal Lane Subramaniapuram,  
Madurai.

(Transferor)

(2) Haroon Gulzar Begum,  
36 Zarikaikara St. Madurai-625 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building No. 2 Pallivasal Lane, Subramaniapuram Madurai—TS No. 1968/A1. (Document No. 278/82).

S. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 17-9-1982.  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMI BUILDING 11th FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 13/Jan/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 159/4 pt & 7 pt, situated at Tallakulam Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam (Document No. 222/82) on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. V. Thiagarajan,  
116 Dr. Rangachari Road,  
Madras

(Transferor)

(2) Sri G. Kanakarajan,  
12, Tiruparankundram Road,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in RS No. 159/4 pt & 7 pt—Plot No. 418, Tallakulam Madurai. (Document No. 222/82).

S. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 17-9-1982,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMI BUILDING IInd FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 14/Jan/82.—Whereas I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 159/4 pt & 7 pt, situated at Tallakulam Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tallakulam (Document No. 223/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. V. Thiagarajan,  
116 Dr. Rangachari Road,  
Madras.

(Transferor)

(2) Sri G. Kanakarajan,  
12, Tiruparankundram Road,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 418 in RS No. 159/4 part & 7 part Tallakulam, Madurai. (Document No. 223/82).

S. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 17-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) C M Padmavati, C M Nagarajan, C M Nageswaran,  
C M Nageswari, C M Nagapadmini, 19 Mulla Sahib  
St Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) H Pukhraj Jain,  
Sunderdevi,  
199, Minxt Street, Madras-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006—the 18th September 1982

Ref. No. 18/Jan/82.—Whereas, I. S. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 55, situated at Mulla Sahib St Sowcarpet Madras-1,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at SOWCARPET (Document No. 36/82) on January 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and hat the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice**  
**in the Official Gazette** or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building 55 Mulla Sahib St. Sowcarpet Madras-1.  
(Document No. 36/82).

S. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 18-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
KANNAMMAI BUILDING 1<sup>st</sup> FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006—the 18th September 1982

Ref. No. 51/Jun/82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 & 2, situated at Infantry Road, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore (Document No. 51/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) P J S A Ganesa Chettiar,  
Balayee Ammal, Vatsala Ammal,  
Selvaraj, Rajendran, Ravichandran,  
3, Gurumurthy Iyer Street, Saidapet,  
Vellore. (Transferor)
- (2) V P Sampath, Rajeswari Ammal, Senthilkumar,  
15, Perumal Koil Street,  
Velapadi Vellore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building 1 & 2 Infantry Road, Vellore (Document No. 51/82).

S. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. R. Gnanaprakasam  
Menasi Post, Arur Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) C Chennaiyan & Maikkannan  
Menasi Post, Arur Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 18th September 1982

Ref. No. 52/Jan/82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 226/1, situated at Menasi Post Arur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Babireddipatti (Document No. 81/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land—S. Vo. 266/1 Menasi Village.  
(Document No. 81/82)

S. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING IIN4 FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1982

Ref. No. 53/Jan/582.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 266/1 situated at Menasi Post Arur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Babireddipatti (Document No. 82/82 on January 1982) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) M R Sundaramurthy<br>Menasi Post, Arur Taluk. | (Transferor) |
| (2) Smt. Chinnammal<br>Menasi Post, Arur Taluk.   | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in S. No. 266/1 Menasi Gramam.  
(Document No. 82/82)

S. LAHIRI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-6

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-1,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th September 1982.

Ref. No. P.R. No. 2088 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, **SHRI R. R. SHAH** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Suchak Sadan Ward No. 6, Sheet No. 142 situated at Rajpura Ward No. 6, Near Cricketer Amarsinghji Rd. Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 28-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

- (1) Smt. Sumitaben Pradhanbhai Suchak et al through L. R. Dilip Jayantilal Thakkar 111-A, Mahatma Gandhi Road, Fort, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Mansukhlal Panchand & Others, C/o Bipinkumar Jayantilal, Danapith, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being building named 'Suchak Sadan' situated at Ward No. 6 of Rajpura registered by Sale Deed R. No. 568 dt. the 28-1-1982 by S.R. Rajkot.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date . 19-9-1982  
Seal .

FORM ITNS

(1) Sri Mohd Sakhawat Ali & others  
11-3-946 New Mallepally  
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohammed Jameel Mohiuddin  
S/o Mohd Saleem Mohiuddin  
Mrs. Salma Rehman  
W/o S. Aijaz ur Rehman  
11 5-559 Red Hills,  
Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC/171/82-83—Whereas, I,  
M. JFAGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-681/A 6 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khantabad on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

H. No. 8-2-681/A/6 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad area 1100 sq. yards registered with Sub-Registrar Khantabad vide Doc. No. 89/82.

M. JEAGANMOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—306GI/82

Date : 18-9-1982  
Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC/72/82-83—Whereas, I,  
M. JEAGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-191 to 200 situated Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Nawsha Noshir Jain Wala and Rati Keki Dadabhoi, 17, Motibagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Assandas Hassan and Dialani, Hyderali Aziz Jiva, Sadruddin Kara, Ashokkumar Sagarmal Malhara M/s. Jagani Enterprises, No. 210 Gundecha Chamber, 4th Bombay-400023.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property 1-8-191 to 1-8-200, Penderghast Road, Secunderabad (143/B, Macintyre Road) Area 543.50 Sq. Yds. Regd. Sub-Registrar, Secunderabad vide D. No. 3/82.

**M. JEAGANMOHAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date . 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC/73/82-83.—Whereas, I, M. JEAGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-333/B situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Naaz Rizwan Hasan  
D/o Sri Mohd Abdul Hasan  
Pr. M/s Andhra Pradesh Construction Co.  
10-3-304/12 Humayun Nagar, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Mr. Mohd Omer  
S/o Mohd Abbas  
11-5-566 Red Hills, Hyderabad.  
2. Mohd Osman Adil  
S/o Mohd Abbas  
11-5-566 Red Hills, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion house No. 8-2-333/B Road No. 3 Banjara Hills, Shaikpet Hyderabad area 183 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 511/82.

M. JEAGANMOHAN  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 18-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Nagaijuna Co-op. Housing Society Rep. by  
R.V.S. Raju, R/o 6-3-354/8/5,  
Hindinagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri J. Ramakrishna Raju, Pippara (via)  
T.P. Gudem, (W.G. District)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 174/82-83.—Whereas, M. JEGAN  
MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
bearing No. plot situated at Punjagutta Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Hyderabad on January 82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe, that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning is given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Plot No. 77, Area 870 Sq. Yds. at Punjagutta, Hyderabad  
registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No.  
468/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM ITNS— —

(1) Smt G Kamalavalli Tayaramma  
W/o G Radhakrishna Rao  
Nampally Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt A Sita Rama Lakshmi  
W/o A Subba Raju  
R/o Kompally village

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDRABAD (A P)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref No RAC 175/82 83—Whereas I  
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land situated at Bahadur pally village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

## THE SCHEDULE

Land at Bahadur pally 26Ac 12 guntas registered with Sub Registrar Medchal vide Doc No 591/82

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A P)

Date 18-9-1982  
Seal.

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. 176/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. land situated at Kanchanbagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Judian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri P. Dayakar Reddy,  
3-5-926/15, Himayatnagar  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Ratna Defence Laboratories  
Employees Co-operative House Building  
Society Ltd., C/o D. R. D. L.  
P.O. Kanchanbagh,  
Hyderabad-500258.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Ward No. 18, Blockk No. 8 Area 7 acres 12 guntas  
Regd. with Sub-Registrar, Azampura, vide L. No. 58/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Krashan Naram  
Road No. 2 Banjara Hills  
Hyderabad

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. D. Hemalaya Kumari  
T' Uagar Madras

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 177/82-83.—Whereas, I,  
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Banjara Hills Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land area 597.3 sq. yards at Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 215/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Smt. Krishna Naram  
Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kuma. D. Mimalaya Kumari  
R/o T. Nagar Madras  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDRABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 178/82-83 —Whereas, I

M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Land situated at  
Banjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Open land area 597.5 sq. yards Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub- Registrar Hyderabad vide Dec. No. 208/82

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date : 18-9-1982  
Sd :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC179/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Saidabad Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad On Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
2—306GI/82

((1) Sri M. Vikrutam,  
S/o M. Sattalan  
GPA Dr. J. Rameswara Rao,  
106/B, Santos Nagar Col.  
Hyderabad.

(Transferor)

((2) M/s Vani Co-op. Housing Society,  
Rep. by D. Satyanarayana,  
8-105, Shantinagar Colony,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land S. No. 202 to 205—Area 30 guntaz at Saidabad. Regd with Sub-Registrar, Hyderabad. Vide D. No. 114/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC180/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Banjara Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Hyderabad on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Miss Shehla Hussain  
D/o Riazat Hussain 8-2-697/10  
Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad 500034.  
(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Khatija W/o Mansoor Quli Khan  
Amroati Road, Nagpur  
GPA Masood Quli Khan 8-2-697/10  
Road No. 12 Banjara Hills,  
Hyderabad-500034.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of plot No. 9 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad 34 area 179.58 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 84/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC131/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Ayosha Hussain  
8-2-697/10 Road No. 12 Banjara Hills  
Hyderabad 34 (Transferor)
- (2) Dr. Mrs. Khatija Rep by GPA Msood Quli Khan  
8-2-697/10 Road No. 12 Banjara Hills  
Hyderabad-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. 12 Banjara Hills, Hyderabad area 611.38 sq. yards registered with Sub-Registrar vide Doc. No. 83/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC182/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Amirpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri R. M. Bhisma S/o R. V. Marthan  
2/5 Hindustan staff quarters  
G. B. S. Marg Vikroli  
Bombay.

(Transferor)

(2) Sri T. Santhosh Kumar S/o T. Shivalingam  
B/101 Gandhinagar Secunderabad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land area 920.37 sq. yards (No. 8) survey No. 198 at Amirpet Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 74/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC183/82-83.—Whereas, I. M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kukatpally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) M. Rajamma, W/o M. Chandraiah,  
H. No. 1-97, Kukatpally,  
R. R. District.

(Transferor)

- (2) M/s Images,  
Rep. by Smt. Ch. Rama Devi,  
W/o Sri Ramoji Rao,  
Eenadu Compound, Somajiguda,  
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Block No. 1 Area 734 Sq. Yds. Kukatpally Regd. with Sub-Registrar, R. R. District. Vide D. No. 4/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 184/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land situated at Kukatpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M. Narsimhulu, S/o M. Chandrabah  
H. No. 3-107, Kukatpally,  
R. R. District.

(Transferor)

- (2) M/s Images Repl by Smt. Ch. Ramadevi,  
W/o Sri Ramuji Rao,  
Ednaadu Compound, Somajiguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Area 734 sq. yards Survey No. 832, Kukatpally Taluk, Registered with Sub-Registrar. Rangareddy Dt. vide Document No. 5/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) M. Lingarao, S/o M. Chandraiah,  
H. No. 3-87, Kukatpally,  
R. R. District

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Images,  
Rep. by Smt. Ch. Rama Devi,  
W/o Ramoji Rao, Eenadu compound,  
Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 185/82 83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kukatpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land Block No. 3 Area 734 Sq. Yds. at Kukatpally. Regd. with Sub-Registrar, R. R. District vide Doc. No. 6/82.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M. Krishna Rao,  
S/o M. Chandraiah,  
H. No. 1-97, Kukatpally,  
R. R. District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Images,  
Rep by Smt. Ch. Ramadevi,  
W/o Ramoji Rao,  
Eenadu compound, Somajiguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref No. RAC 186/82-83.—Whereas, I M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B- of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kukatpally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land Block No. 4 Area 734 Sq. Yds. Kukatpally. Regd. with Sub-Registrar, Rangareddy District vide D. No. 7/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref No. RAC 187/82-83.—Whereas, I M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land situated at Kukatpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—306GT/82

(1) M. Janardhan Rao,  
S/o M. Chandraiah,  
3-111 Kukatpally  
R. R. District.

(Transferor)

(2) M/s Images  
Rep. by Ch. Rama Devi  
Eenadu compound, Somajiguda  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Block No. 5—Area 734 sq. Yds. Kukatpally, Hyderabad—Registered with Sub-Registrar, R. R. District vide D. No. 8/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Nizamunnisa Begum,  
G.P.A. A. Narendar & M. Ellaiah,  
23-6-431, Gowlipura, Hyd'bad. (Transferor)
- (2) M/s Hindustan Aeronautic Employees  
Co-op. Society,  
Hyderabad. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 188/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hafeezpet, Hyd. (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land. Survey No. 77 Area 2 acres at Hafeezpet, Regd. with Sub-Registrar, R. R. District vide D. No. 264/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 189/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hafcezpeta, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on Jan. 82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Smt. Hafizunnisa Begum,  
GPA A. Narender & M. Ellaiah,  
23-6-431, Gowlipura, Hyderabad. (Transferor)
- (2) M/s. Hindustan Aeronautic Employees  
Co-op. Housing Society,  
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 77. Area 2 acres at Hafcezpeta, Regd. with Sub-Registrar, R. R. District. vide D. No. 265/82

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date : 18-9-1982.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 190/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hafeezpet, Hyd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. District on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M. Hameeduddin,  
GPA M. R. Ellappa,  
Sultan Shahi, Hyd.

(Transferor)

- (2) M/s. Hindustan Aeronautic Employees  
Co-op. Housing Society,  
Secy. Sri R. M. Suri, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land in S. No. 77 Area 2 acres at Hafeezpet, R. R. Dist. Regd. with Sub-Registrar, R. R. District vide D. No. 266/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date : 18-9-1982.  
Seal:

FORM I.T.N.S.-----

(1) Sri Narsing Rao Kulkarni,  
R/o Nalashwar Village,  
Nizamabad Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Anasuya Bai,  
W/o G. Laxminarayana,  
5-6-510/4, Pochammagalli,  
Nizamabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 191/82-83.—Whereas, I,  
M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-6-510, situated at Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 5-6-10 at Shahlane, Nizamabad, Regd. with S. R. O. Nizamabad. vide D. No. 148/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date : 18-9-1982.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri S. Chandra Sekharappa,  
8/163, B-peta, Kurnool.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Ganga Gouri Co-op. House Boulding  
Society, R/o T. Seshanna,  
S/o Ramanna,  
Ajantha Hotel,  
Kurnool.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 16th September 1982

Ref. No. RAC 192/82-83.—Whereas, I,  
M. JEGANMOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. Land situated at Kallur  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Karnool on Jan. 82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land S. No. 155 to 157 Area 4 acres 50 cents, at Kallur  
village. Regd. with Sub-Registrar, Karnool, vide D. No.  
416/82.

M. JEGANMOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 18-9-1982.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAME ROAD, POONA 4

Pune, the 23rd September 1982

Ref. No. CAS/S.R.Haveli II/753/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Appartment no. 1, ground floor of Manali Appat. situated at Pno. 421-B&CTS no. 1071 S. N. Pune-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Haveli II on 22-1-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. VITHAIRAO,  
10 Vishrambaug society,  
Senapati Bapat road,  
Pune-16.  
2. Smt T. H. Poonawala,  
931 Budhwar Peth,  
Pune-2.

(Transferor)

- (2) 1. Shri F. F. Furniturewalla,  
2. Shri N. F. Furniturewalla,  
3. Shri S. F. Furniturewalla,  
1 Manali Apartment,  
421/13 CTS no. 1071 Shivajinagar,  
Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment no. 1 on the ground floor of Manali Apartments situate on F. P. No. 421/B & CTS no. 1071, Gokhaleroad, S. N., Pune-16.

(property as described in the sale deed registered under document no. 6965 in the office of the Sub Registrar Haveli II on 22-1-82).

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 23-9-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 15th September 1982

Ref No. III-580/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 208/476 (New 714/554, 715/554A, 716/554B), Circle No. 13, Survey Plot No. 610, Sheet No. 54, ward No. 5 (old), situated at Kadamkuan, P. S. Kadamkuan, Distt. Patna, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 22-1-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prasoon Kumar Samaddar,  
S/o. Dr. Sourendra Nath Samaddar,  
R/o Mohalla-Kadamkuan,  
P. S. Kadamkuan,  
Distt. Patna.

(Transferor)

(2) M/s Neeraj News Papers Associates (Pvt) Ltd,  
Through its Directr,  
Sri Vishwanath Saraf,  
R/o Naugachia, P. S. Naugachia,  
Distt. Bhagalpur.

1. Half portion of ground floor of the existing property and vacant land in the possession of transferee.  
2. (a) Half portion of ground floor basement in the possession of M/s. Ram Narayan Badri Das.  
(b) 1st & 2nd floor in the possession of sub-tenant of M/s Ram Narayan Badri Das—Prajapita Brahmakumari Ishwari Vishwavidyalaya, Charitra Nirmal Sangrahalaya.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 9 kamas 1 dhur and 5 dhurkis with triple storeyed pucca building situated at Kadam Kuan, P. S. Kadam Kuan, Distt. Patna and morefully described in deed No. 750, dt. 22-1-82 registered with D.S.R., Patna.

P. K. DUBEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Date : 15-9-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
D. L. E. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/479/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Building at Plot No. 7, Sector 25, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballabgarh in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
25—306GI/82

- (1) M/s Bhastu Mal Ram Kishan, 2885-2886, Bazar Sirkiwala, Delhi-6, through  
1. S/Sh. Ram Kishan Gupta  
S/o Sh. Bhastu Mal Gupta,  
2. Brij Mohan Gupta, sons of Sh. Ram Kishan Gupta.  
3. Man Mohan Gupta, sons of Sh. Ram Kishan Gupta.  
4. Parmod Kumar sons of Sh. Ram Kishan Gupta.  
5. Pardeep Kumar sons of Sh. Ram Kishan Gupta.  
(Transferor)
- (2) 1 Smt. Sharda Ghai W/o Sh. Y. K. Ghai,  
2. Sh. Ajay Ghai S/o Sh. Y. K. Ghai,  
3. Sh. Vijay Ghai S/o Sh. Y. K. Ghai,  
all rs/o of H. No. 366-67, Nehru Ground, NIT, Fardabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being building and plot situated in Sector 25, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No 13910 dated 28-1-1982 with the Sub. Registrar, Ballabgarh

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
D. I. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. BDR/30/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 kanals Situated at Vill. Jakhoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surender Singh S/o  
Shri Om Parkash S/o  
Shri Kartar Singh,  
Vill & PO Jakhoda.

(Transferor)

- (2) M/s Bangal Grain & Seeds Trading Co.  
Private Limited, 11 Shiv Thakur Lane,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanal situated at village Jakhoda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2266 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar, Bahadurgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1982  
Seal,

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. BDR/31/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 26 kanals situated at Vill Jakhoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bahadurgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sultan Singh S/o Sh. Ganga Ram  
S/o Shri Jai Ram  
R/o Vill. & P. O. Jakhoda.

(Transferor)

(2) M/s Bangal Grain & Seeds Trading  
Company Private Limited,  
11 Shiv Thakur Lane,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanals situated at Village Jakhoda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2367 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar, Bahadurgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No BDR/32/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Land measuring 29 kanals 13 marla situated at Vill. Jakhoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Sultan Singh S/o Sh. Ganga Ram  
S/o Shri Jai Ram,  
R/o Vill. Jakhoda.

(Transferor)

- (2) M/s Kanpur Ganny Traders,  
51/56, Shankel Patti, Sitaram Market,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 29 kanals 13 maila situated at Village Jakhoda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2365 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar, Bahadurgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
D. I. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. GRG/263, 81-82. —Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land area 120 kanals situated at Khurampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhara Ram,  
S/o Vasanda Ram,  
Malviya Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Lal Singh,  
Sunder Kumar,  
Suresh Kumar sons of Sh. Balbir Singh,  
R/o Jawalakeri Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 120 kanals situated at village Khurampur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3745 dated 11-1-82 with the Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1982  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. GRG/262/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 340 kanals 1 marla situated at Village Khurampur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhara Ram S/o Vasanda Ram,  
Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Vishan Singh S/o Sh. Piru Mal,  
Mukesh, Vinor S/o Sh. Vishan Singh,  
Kamlesh Wd/o Sh. Randhir Singh,  
403 Haider Kuli, Chandni Chowk,  
New Delhi,  
Sh. Shivtaj Singh, Suresh Kumar,  
Surendra Kumar S/o Shri Balbir Singh,  
R/o Jawalaheri (Delhi).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 340 kanals 1 marla situated at Village Khurampur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3744 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shri Narendra Dev Kalra,  
S/o Shri Thakar Dass Kalra,  
26 New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Krishan Devi  
W/o Shri Asha Nand Gera,  
Shop-cum-flat No. 6,  
New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANK  
D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. GR/266/81-82--Whereas, I,  
R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 27,000/- and bearing No. Shop-cum flat No. 6 situated at New Colony, Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being Shop cum flat No. 6 New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3779 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition range, Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNI/92/81-82—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 bigha Situated at Karnal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Karnal in Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any,  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Prithi Pal Singh  
S/o Sh. Raghbir Singh  
Smt. Amrit Kaur W/o Sh. Prithipal Singh  
Shri Satinderpal Singh S/o Prithipal Singh  
R/o 159 L, Model Town, Karnal. (Transferor)
- (2) Smt. Avtar Kaur W/o Sh. Dayal Singh  
Smt. Rajinder Kaur W/o Sh. Pritam Singh,  
Smt. Baljit Kaur W/o Sh. Mohinder Singh,  
Sh. Poojit Singh S/o Sh. Piara Singh  
R/o XVIII-354, Chau Chaman, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha situated at Karnal  
and as more mentioned in the sale deed registered at Sr.  
No. 5257 dated 28-1-82 with the Sub Registrar, Karnal

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date - 17-9-1982  
Seal -

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/93/81-82.—Whereas I,  
R. K. BHAYANA  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs 25,000/- and  
bearing No.

H. No. E-150/4, Mughla Mohalla, Situated at Karnal  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
26—306GI/82

(1) Shri Dayala Ram S/o Sh. Kala Ram,  
Smt. Kaushalya Devi W/o Sh. Dayal Singh,  
R/o H. No. E-150/4, Mughla Mohalla,  
Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Bhoja Ram S/o Bishaka Ram,  
H. No. F/100, Meera Ghati, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being H. No. E-150/4, Mughla Mohalla, Karnal  
and as more mentioned in the sale deed registered at No.  
5215 dated 27-1-82 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition range, Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/103/81-82 —Whereas, I,  
R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

House No. 288/Housing Board Colony, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Trilok Nath Kapoor  
S/o Shri Nathu Ram Kapoor,  
K. T. Road, Karnal.

(Transferor)

- (2) Shri Siri Ram Ahuja  
S/o Shri Thakar Dass,  
House No. 288 MIG, Housing Board Colony,  
Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House Non. 288, Housing Board Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4965 dated 13-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition range, Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/104/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land measuring 20 kanals 19 marla situated at Gharaunda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Satwant Singh S/o Sh. Kartar Singh,  
r/o Gharaunda Teh. Karnal.

(Transferor)

- (2) Sh. Sohan Lal S/o Rulia Ram,  
Smt. Ladha Rani W/o Sh. Sohan Lal,  
Sh. Brij Lal, Barjesh Kumar,  
Subhash Chand, Rajesh Kumar Ss/o  
Shri Bhani Parkash, R/o  
Gharaunda Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 19 marla situated at Gharaunda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4876 dated 8-1-1982 with the Sub-Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/111/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 bigha 10 bishwas situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Raj Singh, Rajbir Singh S/o  
Sh. Sham Singh,  
Smt. Raj Dulai D/o Sh. Sham Singh,  
S/o Amer Singh,  
R/o Mohalla Jatan, Karnal City. (Transferor)

(2) Sh. Chand Murti, Kishor Lal S/o  
Sh. Ram Lal Sharma,  
Sh. Baldev Raj S/o Sh. Des Raj Sharma,  
Sh. Samai Singh S/o Panna Lal S/o Rama  
Nand, R/o Shiv Colony, Karnal City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 10 bishwas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4746 dated 1-1-1982 with the Sub-Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Phool Singh S/o Vishna  
R/o Moonda Majra.

(Transferor)

(2) M/s Ram Ramdhari Mal Atma Ram  
Radaur Road, Yamunanagar  
Teh. Jagadhari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref No. JDR/83/81-82.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

land measuring 10 bigha 10 bishwas,

situated at Munda Majra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jagadhari in Jan. 1982for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 Bigha 10 Bishwas situa-  
ted at Munda Majra and as more mentioned in the sale  
deed registered at No. 6046 dated 12-1-1982 with the Sub-  
Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 18-8-1982  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. JDR/84/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Land measuring 1000 sq. yards situated at Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Yashpal S/o Pt. Siya Nand Lal  
R/o Gobindpuri Teh. Jagadhari.  
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Dharam Singh S/o Lachhman Singh,  
2. Sh. Sewak Singh,  
3. Sh. Dhanwant Singh Sh. sons of Dharam Singh  
C/o New Janta Saw Mills,  
Yamunanagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1000 sq. yards and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6024 dated 11-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-9-1982  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/97/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and measuring 1 kanals 131/2 marla situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jagadhari in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Munna Singh S/o Sh. Nasib Singh  
S/o Shri Mam Raj  
R/o Rajputana Hanuman Gate, Jagadhari.  
(Transferor)
- (2) Sh. Inder Lal Gambhir S/o Sh. Baisakhi Ram  
R/o Sargodha Colony, Near Geeta Bhawan,  
Jagadhari.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 kanal 131/2 marla situated at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6391 dated 28-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. JDR/109/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Land measuring 161/2 biswas (about 825 sq. yds) situated at Gobindpura, Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) S/Sh. Naresh Kumar, Ashok Kumar, Dalip Kumar sons of Sh. Nar Singh R/o Gobindpura, Teh. Jagadhari.  
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Sunder Lal S/o Shri Manohar Lal  
236-L Model Town, Yamunagar.  
2. Sh. Varinder Kumar S/o Sh. Ved Parkash  
R/o 236-L, Model Town, Yamunanagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- Property being land measuring 161/2 bishwas at Gobindpura Teh. Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6426 dated 28-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-9-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) Smt. Neejam Gupta W/o Sh. Naresh Gupta,  
Street Chirmatan Bhiwani.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Tadar Mal Kejriwal  
2. Sh. Rattan Kumar Kejriwal  
sons of Sh. Chandu Lal KEJRIWAL,  
R/o Bhiwani.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. BWN/15 81-82—Whereas I,  
R. K. BHAYANA,being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Building  
situated at Near Malluwara Johar, Bhiwani  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Bhiwani in Jan. 1982for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

27—306GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being building situated at near Malluwara Johar  
Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered  
at No. 2722 dated 13-1-1982 with the Sub-Registrar, Bhiwani.

**R. K. BHAYANA.**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-9-1982

Seal :

FORM NO ITNS. —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref No BWN/16/81-82 —Whereas, I, R K BHAYANA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land measuring 5 kanals 10 marlas situated at Bhiwani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhiwani in Jan 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh Satya Narain S/o Pameshwar Das  
R/o Bhiwani  
Prahlad Ram, Sham Sunder Ram Chander,  
Siri Ram, Smt Laxmi Bai, Narvada  
D/o Bansi Dhai S o Hari Bakas  
R/o Bhiwani (Transferor)  
(2) Sh Niranjan Lal S/o Ram Kumar etc  
R/o Bhiwani (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 kanals 10 marla situated at Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No 2839 dated 25.1.1982 with the Sub-Registrar Bhiwani

R K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. RWR/91/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land area 58 kanalas 8 marla situated at Dharuhera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Deena Mangat Ram S/o  
Sh. Kundan Ad. S/o Ram Dass  
R/o Dharuhera. (Transferor)
- (2) Sh. Dalbir Singh Sethi S/o  
Sh. Sohan Singh Sethi,  
H. No. 16/9, Kalka Ji,  
Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 58 kanals 8 marla situated at Dharuhera and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2735 dated 4-1-1982 with the Sub-Registrar, Rewari.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-9-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. HSR, 137/81-82. —Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. SCF 95, situated at New Rajguru Market, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Saran S/o Sh. Nand Lal  
Kamla Nagar, Hissar  
Cloth Merchant, Gandhi Market, Hissar. (Transferor)
- (2) Sh. Mahesh Mohan S/o Sh. Hari Chand  
R/o Sachdeva Bhawan Near Jahajpul, Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Property being shop No. SCF-95, New Rajguru Market, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4745 dated 11-1-1982 with the Sub-Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Dat. 18.9.82  
Seal

## FORM IT.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak the 18th September 1982

Ref. No. RTK/66, 81-82—Whereas I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3, area 364 sq. yds situated at Hari Nagar, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Suresh Chand S/o Sh. Anand Sarup  
S/o Sh. Vishan Sarup R/o  
H. No. 115 Ward No. 5, Pursh Mohalla,  
Rohtak (Transferor)
- (2) Sh. Ram Sarup S/o Sh. Karam Chand  
Smt. Rani Ditti W/o Sh. Ram Sarup  
R/o H. No. 430 Ward No. 2,  
Toju Colony, Rohtak. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 3 area 364 sq. yards situated at Hari Nagar, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5288 dated 12-1-1982 with the Sub-Registrar, Karnal

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date 18.9.82  
Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. DLI/147/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Plot No. C-160, DLF, Model Town  
situated at Faridabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi in Jan. 82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Ashok Kumar Kakkat  
E-20, Greater Kailash Encl-II,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Narain Singh,  
C-132, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. C-160, Model Town, Faridabad  
and as more mentioned in the sale deed registered at No.  
67 dated 15-1-1982 with the Sub-Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16 9 82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. BGR/450/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. Area 514.2 Sq. Yds situated at Model Town, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Parshant Jain S/o Sh. K. P. Jain,  
MIG, Flat No. 11-A Street Rajori Garden  
Laxton, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Tilok Singh S/o Sh. Jit Singh,  
R o F-174, Kalka li. New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 70 area 514.2 sq. yds situated in Model Town, Sector-10, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13261 dated 8-1-1982 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-82  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. PNP/151 81-82 -- Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Industrial area, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Chander S/o Sh. Bhoja Ram,  
Barhala R/o Panipat. (Transferor)
- (2) 1. S. Sh. Om Parkash.  
2. Veer Aijan  
3. Ashok Kumar sons of  
Sh. Piara Lal R/o  
Vill. Kanwall Teh. Jansath  
Dist. Mussaffar Nagar (U.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6397 dated 21-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-9-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th August 1982

Ref. No. PNP/163/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated at Sukhdev Nagar Market, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—306GI/82

- (1) Sh. Narain Singh S/o Sh. Bombe Lal,  
R/o Panipat. (Transferor)  
(2) Smt. Surjeet Kaur W/o Col. Shiv Singh  
H No. 1294 Sec. 34-C, Chandigarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop at Sukhdev Nagar Market, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5747 dated 1-1-1982 with the Sub-Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-8-82  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. PNP/157/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanti Devi  
W/o Shri Vidya Dhar,  
H. No. 562/R, Model Town,  
Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Rimlu Giani  
W/o Shri D. P. S. Giani  
S/o Shri H. S. Giani  
R/o 1/2 Safdarjang Development Area,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 562/R, Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5870 dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-9-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. PNP/132/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. L/89, Model Town, Assandh Road, Panipat situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parbati  
d/o Shri Kanshi Ram  
s/o Shri Necki Ram  
Teh. & Distt. Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Subey Singh  
s/o Shri Bharat Singh  
Vill. Hari Nagar Nead Madloda  
Teh. Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop 1½ storey situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6946 dated 9-2-1982 with sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-9-82  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/150/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 17 kanal 12 marla situated at Sivah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in January, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) S/Shri Hanwant Singh, Balbir Singh, and Lal Chand ss/o Shri Rishi Singh s/o Shri Todar all r/o Vill. Sivah, Teh. Panipat. | (Transferor) |
| (2) S/Shri Anil Dutt, Sunil Dutt ss/o Shri Ramjas Dutt s/o Shri Nanak Chand r/o 25-L, Model Town, Panipat.                    | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 Kanals 12 marla situated at village Sivah Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6479 20-1-82 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/154/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 42 Kanals 9 marla situated at Sikanderpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- |  |              |
|--|--------------|
| (1) Shri Zile Singh<br>s/o Shri Harphool<br>S/o Shri Nagina<br>r/o Ashan Khurad Teh. Panipat,  | (Transferor) |
| (2) Shri Inder Singh, s/o<br>Shri Vadawa Singh 2/5 share,<br>Shri Gurdev Singh, s/o<br>Shri Inder Singh 3/5 share<br>r/o village Kabri Teh. Panipat. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring land 84 kanals 19 marlas situated at Village Sikanderpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6283 dated 18-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/153/81-82.—Whereas, I, R. B. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 bigha 12 Biswas, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in January, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Lal Chand, Ram Singh, and Nand Kishore,  
r/o Panipat. (Transferor)
- (2) 1. Shri Kasturi Lal, S/o  
Shri Hukam Singh, s/o  
Shri Sudar Dass 1/3 share.  
2. Shri Prithvi Raj, Prem Nath, ss/o  
Shri Chet Ram, s/o  
Shri Rala Ram 2/3 share,  
r/o Main Bazar, Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 12 bishwas Patti Hissar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6340 dated 20-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. AMB/65/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 6358 to 6361, Nohria Bazar, situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Prem Chand, Naresh Chand  
s/o Shri Padma Sharda,  
Daya Kalia  
d/o Shri Laxmi Chand, .  
Shri Ashok Raj  
s/o Shri Hari Lal,  
Shri Rup Shobha  
s/o Shri Hari Lal,  
Smt. Bhag Rani  
Wd/o Shri Hari Lal  
r/o New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Satpal Bhargawa  
s/o Shri Ralla Ram  
Shop No. 6358 to 6361, Nohria Bazar,  
Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 6358-6361 Ward No. 3 situated at Nohria Bazar, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4980 dated 5-1-1982, with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-9-1982  
Seal :

FORM IT.N.S. \_\_\_\_\_

(1) S/Shri Rajinder Pal & Surender Pal  
 ss/o Shri Faqir Chand  
 r/o H. No. 8423/5 Ambala City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
 SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
 ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. AMB/83/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 424 sq. yds. (14 marla) situated at Patti Kalalan (Ambala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) M/s. Sangat Samtand Branch, through  
 Shri Babu Kun Mehta Samtanyog Ashram,  
 Jagadhari,  
 Shri Thakar Dass,  
 Shri Ram Sarup,  
 Iron Merchant, Delhi.  
 Shri Nar Singh Dass, Dehradun,  
 Shri Om Kumar, Dehaboon,  
 Shri Ram Narain, Jagadhari,  
 Shri Kundal Lal  
 s/o Shri Munshi Ram,  
 Nadl Mohalla, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 424 sq. yards (14 marlas) situated at Patti Kalala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5023 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Lal Chand  
s/o Shri Kundan Ram  
1/o Vill. Nangal Teh. Ambala.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Dev Sharma  
s/o Shri Babu Ram  
r/o Nadi Mohalla, Ambala City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, D.I.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. AMB/84/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Badshahi Bagh, Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house at Badshahi Bagh, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5002 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-9-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—306GI/82

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. AMB/85/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop-cum-house situated at Vill. Nangal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harjit Bala  
d/o Shri Ram Lal  
s/o Shri Nanak Chand  
r/o Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Amerjit Singh  
s/o Shri Inder Singh,  
Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop-cum-house at Nangal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5475 dated 29-1-1981 with the sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. JDR/86/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. C-IV-244/E, Civil Lines, situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sant Ram Kohli  
s/o Shri Sohan Lal Kohli  
r/o 244/C, Civil Lines,  
Jagadhari.

(Transferer)

(2) Smt. Pushpa Kumari  
w/o Shri Jugal Kishore  
s/o Shri Diwan Chand,  
r/o 194-A, Dharampura Colony,  
Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being H. No. MC/J-IV-244/1 at Civil Lines, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6186 dated 18-1-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-9-1982  
Seal :

FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. SRS/37/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 31-B-I, B-Block, situated at Nai Mandi, Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa in January 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lekh Raj  
s/o Shri Bishamber Dass,  
Smt. Asha Rani  
w/o Shri Jagdish Chander,  
Smt. Bishan Devi  
w/o Shri Ladha Ram,  
r/o Sirsa.

(Transferor)

(2) S/Shri Dharam Pal, Ashwani Kumar,  
Anmol Rattan s/o Shri Chamman Lal,  
r/o Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 31-B-I, Nai Mandi Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6875 dated 28-1-1982 with the Sub Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref No KTL/20/81-82 —Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 29 & 30 New Mandi, situated at Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kaithal in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghu Nath  
s/o Shri Jamna Mal,  
r/o Kaithal

(Transferor)

(2) Shri Ujjagar Singh  
s/o Shri Man Singh,  
r/o Kaithal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 29 & 30 at New Mandi Kaithal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3265 dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Kaithal.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-9-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KKK/37/8182.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 42 kanals 4 marla situated at Fatehpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jeet Singh  
s/o Shri Pooran Singh,  
Shri Hardyal Singh  
s/o Shri Sajjan Singh  
r/o Fatehpur Teh. Kalka.

(Transferor)

(2) Shri Man Mohan Singh Sodhi  
s/o Shri Balwant Singh Sodhi  
r/o 195 Sector 28, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 kanals 4 marla situated at Fatehpur Teh. Kalka and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2108 dated 25-1-1982 with the Sub Registrar, Kalka.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. TSR/13/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Land measuring 92 kanala situated at Vill. Hinga Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Chaman Lal, Amrit Lal  
ss/o Shri Ram Lal  
s/o Shri Bahadur Chand,  
r/o Hinga Kheri

(Transferor)

(2) Smt. Vira Bai  
w/o Shri Hakam Rai  
s/o Shri Ghansham Dass  
r/o Shahbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 92 kanal situated at Hinga Kheri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2439 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Thanesar.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. TSR/15/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 172 kanals 9 marla situated at Hinga Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rattan Lal, Shri Chaman Lal,  
Amrit Lal ss/o Shri Ram Lal  
r/o Hinga Kheri

(Transferor)

- (2) Shri Jeewan Dass  
s/o Shri Bahadur Chand  
s/o Shri Dewan Chand,  
Shri Harish Chand  
s/o Shri Jeewan Dass  
r/o Jullunder City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 172 kanals 9 marla situated at Village Hinga Kheri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2441 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Thanesar.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S. —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXD. L. F. COLONY, ROHTAK  
ACQUISITION RANGE,

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. SPT/109/81-82 —Whereas, J.  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

House No. 223, Model Town, situated at Sonapat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

30—306GI/82

(1) Sh. Krishan Kumar S/o Sh. Girdhari Lal  
1/0 Model Town, Sonapat through  
Sh. Lok Nath S/o Girdhari Lal, Sonapat  
(Transferor)

(2) 1. Sh. Anil Kumar Basil S/o Sh. Piarey Lal  
H. No. 223, Model Town, Sonapat  
2. Smt. Binla (Dt.) wd/o Sh. Piarey Lal  
1/0 Kumehatan Gate Sonapat.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being H. No. 223, Model Town, Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4190 dated 7-1-1982 with the Sub Registrar, Sonapat

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Rohtak

Dated : 16-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. SPT/108/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 9 kanal 5 marla situated at Bad Malak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Sonapat in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gokal S/o Sh. Channa  
Bad Malak Teh. Sonapat.

(Transferor)

- (2) Smt. Renu Bala Sethi W/o  
Shri Rajiv Sethi.  
r/o 7/19, East Patel Nagar,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanal 5 marla situated at Bad Malak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4143 with the Sub Registrar, Sonapat.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. KNL/102/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building at D. S. College Road situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suraj Parkash Kapoor S/o  
Sh. Jagan Nath Kapoor r/o  
Model Town, Karnal, As prop.  
Kapoor Engg. Works, Dayal Singh  
College Link Road, Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Mann W/o Tajinder Pal  
Smt. Kamal Mann W/o Sh. Surrender Mann  
S/Shri Brijinder Singh, Rambir Singh  
S/o Sh. Tajinder Pal Mann,  
Shri Haripander Singh S/o  
Shri Surrender Mann.  
r/o building at D. S. College  
Link Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being building at D. S. College Line Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at 4983 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Dated : 16-9-1982.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. KNT/105/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 156 kanals 17 marlas situated at Village Bada Gaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sh. Baldev Nagpal, (Transferor)  
2. Jai Dev Nagpal,  
Ss/o Sh. Udha Ram  
3. Smt. Ram Piari W/o Sh. Kotu Ram,  
r/o West Patel Nagar, New Delhi.  
4. Smt. Ishwar Devi W/o Sh. Krishna Chand  
Shakti Nagar, New Delhi,  
5. Smt. Chandervati W/o Parbhu Dayal,  
Sakurbasti, Delhi,  
through Sh. Vinod Kumar Nagpal S/o  
Shri Baldev Nagpal R/o E-184,  
Greater Kailash, New Delhi.  
(2) M/s. Sawastik Industries,  
Bada Gaon,  
Dist. Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 156 kanals 17 marla situated at Village Bada Gaon Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4875 dated 8-1-82 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Rohtak.

Dated . 15-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. KNL/107/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 37, Model Town,  
situated at Karnal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harvinder Kaur W/o Sh. Harjinder Singh  
Sindhu, R/o House No. R-287, Model Town,  
Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Rani W/o Janardhan Lal.  
1/o H. No. 60-A, Kunjpura Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 37 Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4813, dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.Dated : 16-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. HSR/150/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and  
bearing No.  
Land measuring 5 kanals 16 marlas, situated at  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hissar in January, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

(1) Shri Balwant Rai S/o Sh. Sham Sunder  
Mohalla Pushriyan near Gandhi Chowk,  
Hissar.

(Transferor)

(2) M/s. Sham Sunder (Haryana) Industries Private  
Limited, Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 kanals 16 marla situated  
on main Delhi Road, Satroad and as more mentioned in the  
sale deed registered at No. 4960 dated 25-1-1982 with the  
Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Dated : 17-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Gurmukh Singh S/o Sh. Hazara Singh,  
Shri Gurdayal Singh S/o Sh. Shisha Singh,  
R/o Gharaunda Teh. Karnal.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash Ved Parkash Ss/o  
Shri Hari Chand R/o Gharaunda Teh. Karnal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNI/106/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Gharaunda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land at Gharaunda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4864 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 18-9-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/110/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Devi W/o Sh. Rameshwar Dass,  
r/o Alipur Teh. Panipat;  
(Transferor)
- (2) Sh. Zile Singh  
Sh. Multan Singh,  
Sh. Sultan Singh  
Ss/o Sh. Nathu Ram  
Sh. Puran Singh  
S/o Sh. Nathu Ram,  
R/o Karsa Chor Teh. Karnal,  
Sh. Nar Singh S/o Rulia Ram  
r/o Budhanpur Abad Teh. Karnal.  
Gordhan Dass S/o Bodh Raj  
r/o Pundri Teh. Kaithal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot measuring 6700 sq. ft with room and boundary wall at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4780 dated 5-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Rohtak

Dated : 18-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/143/81-82.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 506 sq. yds situated at Panipat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31-306GI/82

- (1) Sh. Santosh Tulli S/o Sh. Harbans Lal  
S/o Shri Darbai Lal R/o 175 R,  
Model Town, Panipat.

(Transferor)

- (2) Smt. Shalini Kathuria W/o  
Shri Suresh Kathuria,  
H. No. 489 Ward No. 3, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 506 sq. yards in Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6539 dated 29-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Dated : 18-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. RTK/67/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
House No. 299 Ward No. 29,  
situated at Shivaji Colony, Rohtak.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
Rohtak in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri Govind Lal Juneja S/o  
Shri Trilok Chand Juneja  
Sector 9, H. No. 33, R. K. Puram,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ashvani Kumar Bhatia S/o  
Shri Des Raj Bhatia,  
H. No. S-341, Gareta, Delhi now  
H. No. 299 Ward No. 29, Shivaji Colony,  
Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 299 Ward No. 29, Shivaji  
Colony, Rohtak, and as more mentioned in the sale deed  
registered at No. 5347 dated 18-1-1982 with the Sub Regis-  
trar, Rohtak.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Dated : 17-9-1982.  
Sd/-

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK/64/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 766 Ward No. 18, situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rohtak in Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Devi Jain Wd/o  
Santosh Kumari Jain,  
Pushap Lata Jain,  
Rajinder Kumar Jain,  
Janinder Kumar Jain ss/o  
Sultan Singh S/o Sh. Durga Parshad  
r/o Sultan pur Bhawan, Rohtak.

(Transferor)

- (2) Shri Krishan Gopal Vashist S/o  
Shri Jagan Gopal Vashist,  
Pirji Mohala, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 766 Ward No. 18, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5285 dated 12-1-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Dated : 18-9-1982,  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Chandu Ram S/o Sh. Ladh Ram  
R/o Shori Market, Rohtak.  
(Transferor)
- (2) Sh. Gopal Krishan S/o Sh. Hari Chand,  
Shop No. 58, Shori Market, Rohtak.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK/59/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop at Shori Market, situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Shop No. 58 situated at Shori Market and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5187 dated 7-1-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Dated : 18-9-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Tara Chand S/o Sh. Aya Ram  
R/o H. No. B-II/1347, Salara Mohalla, Rohtak.  
(Transferor)
- (2) Smt Ram Devi W/o Sh. Vishnu Ram Kathuria  
R/o Bhagwan Colony, Rohtak.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK/62/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of shop No. BVI/877 situated at Qilla Road, Rohtak, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. BVI/887 Qulla Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5437 dated 22-1-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Dated : 18-9-1982.  
Seal :

FROM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK/99/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the competent authority,  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
situated at Qilla Road, Rohtak,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rohtak in March 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
respect of any income arising from the transfer;  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand S/o Sh. Aya Ram  
R/o H. No. B-II/1347, Salara Mohalla,  
Rohtak.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ram Devi W/o Sh. Vishnu Ram Katburia  
r/o Bhagwan Colony, Rohtak.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. BVI/887 Quilla  
Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed re-  
gistered at No. 6239 dated 17-3-1982 with the Sub Registrar,  
Rohtak.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Dated : 18.9.1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. JDR/85/81-82.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Vishkarma Mohalla, Yamunanagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jagadhari in Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Purn Chand S/o Chuni Lal,  
r/o Yamunanagar.

(Transferor)

- (2) Smt. Veera Rani W/o S. Chuni Lal,  
r/o Ludhiana now  
shop at Vishkarma Mohalla, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop situated at Vishkarma Mohalla, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5921 dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS — — —

(1) Shri Sri Chand S/o Laxak Ram,  
Village Sikanderpur Ghosi (Gurgaon).  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Delhi Land & Finance Limited,  
21.22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D L F COLONY,

ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No DLI/178/81-82—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 10 biswas situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 Bishwas situated at Village Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 52 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Sent :

## FORM ITNS—

(1) Shri Siri Chand S/o Sh. Layak Ram,  
Village Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) M/s. DLF Limited, 21-22, Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/179/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—306G1/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 53 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Rel. No D.I./180/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 6 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Siri Chand son  
Smt. Vidya Wat daughter of Sh. Laya Ram  
r/o Village Sikanderpur Ghosi. (Transferor)
- (2) M/s. DLF Limited,  
21.22, Narindra Palace,  
Parliament Street, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 54 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM NO. ITNS—

- (1) Shri Balvir Singh s/o Sh. Ude Singh  
s/o Sh. Layak Ram  
r/o Village & P.O. Sikanderpur Ghosi (Gurgaon).  
(Transferor)
- (2) M/s. Delhi Land & Finance Limited,  
21-22 Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/181/S1-82—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and measuring 6 Bishwas, situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bishwas situated at village Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 55 dated 8-1-1982.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri Narain Singh s/o Kundan Lal,  
Vill. Sikanderpur Ghosi (Gurgaon).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s DLF Housing & Construction Ltd. 21-22, N.P.  
Parliament Street, New Delhi,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No DLI/182/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land atca 1/12th share of 5 B. 17 B. situated at Sikanderpur Ghosi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1/12th share of 5 bighas 17 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No 69 dated 15-1-1982 with S. R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Indu Menta W/o Sh. Brij Mehta  
52 Anand Lok, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s DIL Housing & Construction Ltd.  
21-22, N.P. Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/183/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 1/36th share of 9 B. 13 B.  
situated at Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land 1/36 share of 9 Bigha 13 B. situated  
at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed regis-  
tered at No. 100 dated 20-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Brij Mehta s/o Sh. K. K. Mehta  
52 Anand Lok, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Ltd.  
21-22, Narindra Place, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref No DLI/184/81-82 ---Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 1/36th share of 9B. 13B  
situated at Chakarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land 1/36th share of 9 Bigha 13 Bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 101 dated 20-1-1982 with the Sub Registrar, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Mahesh Chand Gupta s/o Ram Saran Dass  
Gupta, E-464, Greater Kailash-II, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Ltd.  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/185/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. area 1/36th share of 9B 13B.  
Situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1/36th share of 9 Bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 102 dated 20-1-1982 with S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/186/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 1/36th share in 9B. 13B. situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sunil Kumar S/o Mahesh Chand  
r/o E/464, Greater Kailash, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Ltd,  
21-22, Narendra Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 1/36th share in 9b. 13b. situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 103 dated 20-1-82 with the S R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM NO ITNS—

(1) Shri Ashok Kumar Croenka s/o Sh. Kedār Nath  
r/o Lakshmi Bhawan Monghyr, Bihar,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Ltd., 21-22,  
Naraina Place, Parliament Street, New Delhi,  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No D.L. 187/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.

Land area 5/144 share in 9 B. 13.B.  
situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
33-306GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share of 9 bigha 13 bish-  
was situated at Chakarpur and as more mentioned in the  
sale deed registered at No. 104 dated 20-1-82 with S.R.  
Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. DII/188 81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. Land area 5/144 share in 9B 13B situated at Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ashok Kumar Goenka S/o  
Sh. Kedar Nath Goenka  
R/o Lakshmi Bhawan, Monghyr, Bihar.  
(Transferor)
- (2) M. S. DLF Housing & Construction Limited  
21-22, Narindra Place, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13B situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 105 with S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1982.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Sh. Ashok Kumar Goenka S o  
Sh. Kedar Nath Goenka  
R/o Lakshmi Bhawan, Monghyer, Bihar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s DLF Housing & Construction Limited  
21-22 Narindia Place, Parliament Street,  
New Delhi.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/189/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act', have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
bearing No. Land area 5/144 in 9 bigha 13 bishwas  
situated at Chakarpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Delhi in Jan. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being area of land 5/144 share in 9 bigha 13  
Bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the  
sale deed registered at No. 106 dated 20-1-1982 with SR  
Delhi.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-82  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. O. N. Goenka S/o Kedar Nath Goenka  
R/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)

(2) M/s DLF Housing & Construction Ltd.  
21-22 Narindin Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
ROHATK

Rohtak, the 10th September 1982

Ref. No. DLI/190 '81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 b. 13 b.  
situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share of 9 bigha 13 biswas  
situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale  
deed registered at No. 108 dated 20-1-1982 with the Sub-  
Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/191/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 1 and area 5/144 share in 9 b. 13 b. situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. O. N. Goenka S/o Kedar Nath Goenka  
R/o 27 Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferee)
- (2) M/s DLF Housing & Construction Co.,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being and area 5/144 share in 8 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 109 dated 20-1-1982 with SR Delhi.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Sh. O. N. Goenka S/o Sh. Kedar Nath Goenka  
R/o 27 Raja Santosh Road, Calcutta-27,  
(Transferor)

(2) M s DLF Housing & Construction Ltd.  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX.**

**ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DI I/192/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land area 5/144 share in 9 bigha 13 b. situated at Chakarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 Biswas situated at Village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 109 dated 20-1-1982 with SR Delhi.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DL1/193/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land area 5/144 share in 9 b. 13 b. situated at Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ashok Kumar Goenka S/o  
Sh. Kedar Nath Goenka  
R/o Lakshmi Bhawan, Monghyr, Bihar.  
(Transferor)
- (2) M/s DLF Housing & Construction Ltd.  
21-22, Naraina Place, Parliament Street,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 B situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 111 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-82 .  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

## D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/194/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land area 5/144 share in 9 b. 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Amer Nath Goenka s/o Sh. Kedari Nath Goenka r/o 30 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 112 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Amer Nath Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka 1/6 to Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. S. DLF Housing & Construction Limited 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D T L COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DIT, 195 81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

34- 306GH/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 113 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982

Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/196/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,0000/- and bearing Land area 5/144 share in 9 b. 13 b situated at Chakarpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Amer Nath Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 30 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s DLF Housing & Construction Co. Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 114 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/197/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 4 155 share in 9 b. 13 b. situated at Chakarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Amer Nath Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 30 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5,144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 115 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref No DLI/198, 81-82—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 1/36th share in 9 b. 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :—

- (1) Sh. S. Jaspal Singh Marwah s/o Sh. S. Inder Singh  
C/o H-39, Green Park, Extension, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Narindia Place, Parliament Street, New  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## III SCHEDULE

Property being land 1/36th share in land in 9 bigha 13 bishwas at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 131 dated 25-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/199/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 1/36th share in 9 b 13 b, situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhupinder Kaur w/o S. Jaspal Singh r/o H-39, Green Park Extension, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Nandla Place, Parliament Street New Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1/36th share in 9 bighas 13 biswas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 132 dated 25-1-82 with the Sub Registrar, Delhi

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18.9.1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/200/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 b 13 b. situated at Chakarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. N. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka  
r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)

(2) M/s DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street, New  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 b. 13 b. situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 133 dated 25-1-82 with S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. N. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka  
s/o 27, Bala Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)

(2) M/s DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Nandina Place Parliament Street, New  
Delhi  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, D. I. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/201/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land area 5/144 share in 9 bishwas situated at Chakarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 b. 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 133 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. I. P. COLONY  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. GRG/202 81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 b 13 b, situated at Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. N. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka  
r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta 27.  
(Transferor)
- (2) M/s DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Natundia Place, Parliament Street, New  
Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 135 dated 25-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. N. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka  
r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street, New  
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/203/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 bighas 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
35—306GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 B situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 136 dated 25-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/204 81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 bighas 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)  
(2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 138 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) **Shri K K Goenka s/o Sh Kedar Nath Goenka**  
r/o 27 Raja Santosh Road, Calcutta-27  
(Transferor)
- (2) **M/s DLI Housing & Construction Limited,**  
21-22, Narindra Place, Parliament Street New  
Delhi  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE, D L F COLONY,  
ROHTAK

Rohtak the 18th September 1982

Rcf No DLI/205/81-82 Whereas, I, R K BHAYANA being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any movable or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No 138 dated 25-1 1982 with the SR Delhi

R K BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date 18-9 1982  
Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/206/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka  
r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street, New  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 140 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-82  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/207/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. A. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka,  
r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street, New  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 141 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/208/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 5/144 share in 9 bighas 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. A. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka, r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 141 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 18-9-82  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. A. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka,  
r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)

(2) M/s DLF Housing & Construction Limited,  
21-22, Nandra Place, Parliament Street, New  
Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/209, 81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No  
Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at  
Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13  
bishwas at Chakarpur and as more mentioned in the sale  
deed registered 142 dated 25-1-82 with the S. R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/210/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. A. N. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka, r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.  
(Transferor)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindia Place, Parliament, Street, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 144 dated 25-1-1982 with S. R. Delhi.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/94/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land area 1 bigha 3 biswas, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
36—306GI/82

- (1) Sh. Pyara Singh, Autar Singh S/o  
Sh. Anokh Singh  
Sh. Darshan Singh S/o Jangir Singh,  
R/o New Prem Nagar, Karnal, (Transferor)
- (2) Sh. Rohit Madhok S/o  
Sh. Bhupinder Chand Madhok,  
R/o 212-R, Model Town, Karnal, (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 bigha 3 bishwas at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5194 dated 27-1-1982 with the S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/98/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 200 sq. yards, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Payra Singh S/o Sh. Anokh Singh  
Sh. Lakha Singh, New Prem Nagar,  
Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Rohit Madhok S/o  
Sh. Bahadur Chand R/o  
212-R, Model Town, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 200 sq. yds and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5116 dated 22-1-82 with the S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak the 18th September 1982

Ref No KNL 99/81 82—Whereas I  
R K BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Land measuring 6 bighas 12½ bishwas situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Karnal in Jan 82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) Sh Jagir Singh S/o Sh Lakha Singh,  
New Prem Nagari, Karnal

(Transferor)

- (2) Sh Rohit Madhok S o Sh Bahadur Chand,  
R/o H No 212 R Model Town Karnal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein\* as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bigha 12½ bishwas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No 5115 dated 22-1-1982 with the Sub-Registrar Karnal

R K BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Rohtak

Date 18-9-1982  
Seal

## FORM ITNS

(1) Sh. Jagir Singh S/o Sh. Lakha Singh  
R/o New Prem Nagar, Karnal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Prem Madhok W/o Sh. Bahadur Chand,  
R/o H. No. 212-R, Model Town, Karnal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/97/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6 bigha 12½ bishwas  
situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bigha 12½ bishwas at  
Karnal and as more mentioned in the sale deed registered  
at No. 5117 dated 22-1-1982 with the Sub-Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/98/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing House No. 141, situated at Model Colony, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Iqbal Obero S/o Diwan Chand,  
R/o B-4, 1451/17 Obero Colony,  
Yamunanagar.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamlesh Ranj W/o Sh. Darshan Lal  
R/o 123-K.O. Jullundui (Punjab)  
now H. No. 141 situated at Model Colony,  
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 141 situated at Model Colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6400 dated 29-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref No BGR/446 81-82 —Whereas I  
R K BHAYANA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing No Land measuring 50 Bigha Pukhta  
situated at Vill Mangar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ballabgarh in Jan 1982  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow  
ing persons, namely, —

- (1) Sh Imrat S/o Sh Biral  
R/o Vill & P O Mangar

(Transferor)

- (2) M/s Nagia Land Development &  
Construction Company Private Limited,  
506 Chiranjiv Tower, 43 Nehru Place,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette** or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 50 bigha pukhta situated  
at Mangar and as more mentioned in the sale deed registered  
at No 13239 dated 8.1.1982 with the Sub-Registrar,  
Ballabgarh

R K BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date 18-9-1982  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. Ladwa/1/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at near Ladwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladwa in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chander Singh s/o Sunder Singh,  
r/o Sazra Teh. Thanesar.

(Transferor)

- (2) Sh. Roshan Lal s/o Sh. Abhe Ram,  
Sh. Sheo Ram s/o Sondhi,  
Sh. Sarwan s/o Babu Ram,  
Sh. Kala Ram s/o Kansha,  
Sh. Dhandi Ram s/o Norota,  
Sh. Sharwan Kumar s/o Sh. Banshi,  
Sh. Jit Ram s/o Sh. Nand Lal,  
Sh. Dalal Singh s/o Jot Ram,  
all r/o Hamidpur, Teh. Thanesar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45<sup>days</sup> from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land and as more mentioned in the sale deed registered at No. 535 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar, Ladwa.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM I.F.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/96/81-82.—Whereas I. R. K. BHAYANA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 32 kanals 17 Marla situated at Vill. Bhambhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sardar Singh s/o Sh. Ram Singh,  
r/o Vill. Lakhnauti Teh. Jagadhari. (Transferor)
- (2) Shri Surtia Ram s/o Sh. Lachman Dass  
r/o Vill. Tejli Teh. Jagadhari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals 17 marla at village Bhambhol and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6384 dated 28-1-82 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/100/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

land measuring 6 bigha 8 bishwas situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
37—306G1/82

- (1) Shri Hari Ram, Gurmat, Rajbir ss/o Shri Tolu  
r/o Chai Chaman Teh Karnal

(Transferor)

- (2) M/s. J. K. (Jemkay) Enterprises Delhi  
c/o Shri Jagdish Chander Gupta  
s/o Sh. Kali Ram  
s/o Sh. Gokal Chand  
r/o Delhi now at Karnal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Bigha 8 Bishawas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5101 dated 21-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Hardit Kaur w/o Sh. Dhain Singh  
r/o Kalka.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Chinta Mani, Karam Chand Bansal  
ss/o Sh. Baru Mal  
r/o H. No 781 Gandhi Chowk, Kalka.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KIK/30/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 781 situated at Kalka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalka in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being shop situated at Kalka and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1972 dated 5-1-1982 with the Sub Registrar, Kalka.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/92/81-82.—Whereas I. R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Land measuring 14 kanals 8 mailas situated at Gandholi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raj Rani w/o Sh. Subhash Chand,  
Smt. Kamlesh Rani w/o Sh. Ramesh Chander,  
Smt. Varsa Rani w/o Sh. Narain Dass,  
Smt. Prem Rani w/o Sh. Sakander Lal,  
all rs/o H. No. 152 Model Colony, Jagadhari  
(Transferor)

(2) Smt. Krishna Sonki w/o  
Sh. Sat Parkash  
Shri Suresh Kumar Sonki s/o Sat Parkash,  
Sh. Narender Kumar s/o Sh. Amer Nath  
all rs/o Dhiman Lines Jagadhari Road,  
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at Gandholi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6291 dated 22-1-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Ram Bilas s/o Sh. Parma Nand  
r/o 22, Nand Niwas Near Ashok Nagar Society  
Athwalines, Surat (Gujarat).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Lilawati Devi w/o Khushi Ram  
Smt. Bimla Devi w/o Mahadev Parshad  
r/o Shivaji Gali Dayanand College Road,  
Hissar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY  
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. HSR/151/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop on plot No. 157, situated at Krishna Mandi, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being shop on plot No. 157, Krishna Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4866 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. AMB/86/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 240 kanals 3 marlas  
situated at Village Tamnola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Vishwa Nath etc. Ss/o Sh. Dina Nath  
r/o Tamnoli Teh. Ambala.
2. Bosheshar Nath,
3. Smt. Sheela Rani, Shanti Rani ds/o Sh. Deena Nath r/o Tamnoli

(Transferor)

- (2) Shri Santokh Lal S/o Waryam Lal  
Shri Sadhu S/o Sh. Lajja Ram,  
Shri Gubal Singh S/o Sh. Sadhu Karnaito Devi d/o  
Sadhu r/o Kagal, Teh. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 240 kanals 3 marla situated in village Tamnola and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5426 dated 28-1-82 with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-8-1982  
Seal :

**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
ROHTAK, D.L.F. COLONY**

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. SRS/38/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot at Hissar Road situated at Sirsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Shiv Kumar, Chand Lal,  
Vijay Kumar Ss/o Sh. Nem Kumar alias Nem  
Chand S/o Sh. Gur Dayal Mal r/o Sirsa,  
(2) 1. S/Sh. Jagdish Kumar, Jai Narayan Ss/o Shri  
Ramji Lal S/o Harideva Ram r/o Daubalalya  
Teh. Sirsa. (Transferor)  
2. Smt. Renu D/o Sh. Ram Saroop s/o Sh. Ujala  
Ram r/o Sirsa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being plot at Hissar Road, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6569 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar Sirsa.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Rikhan, Mahipal sons Smt. Bhuro W/o Sh. Har Chand 1/0 Vill. Lakarpur Teh. B. Garh.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sh. Sanjay Chawla s/o Sh. Labha Mal c/o M/s. Super Tyres Pvt. Ltd., Karnal.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/455/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 kanal situated at Village Lakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanal situated at village Lakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13376 dated 11-1-1982 with the S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/453/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 kanals situated at Lakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nathi s/o Sh. Harti r/o Vill. Lakarpur.  
(Transferor)
- (2) Sh. Sanjay Chawla S/o B. L. Chawla  
c/o M/s. Super Tyres Pvt. Ltd. Karnal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals at Lakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13314 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gulshan Kumar S/o Buda Ram s/o Sandholi.  
(Transferor)(2) M/s Puja Rec Mills Village Sandholi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PHW/16/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 40 Kanals 3 marla  
situated at Sandholi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pehwa in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 kanal 3 marla situated at Sandholi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1314 dated 18-1-82 with the Sub Registrar, Pehwa.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date 18-9-1982  
Seal

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/454/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 13 kanals situated at Lakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Ballabgarh in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Chand S/o Sh. Wazir r/o Vill. & P.O., Lakarpur Teh. Ballabgarh  
(Transferor)
- (2) Shri Sanjay Chawla s/o Sh. B. L. Chawla  
c/o M/s. Super Tyres Pvt. Ltd. Karnal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanal situated at Village Lakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13315 dated 11-1-1982, with the sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PHW/17/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 44 kanals 4 marla situated at Village Sandholi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pehwa in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gulshan Kumar S/o Sh. Ruda Ram,  
t/o Vill. Sandholi.

(Transferor)

(2) M/s. Shakti Rice Mills,  
Vill. & P.O. Sandholi  
Teh. Pehwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter IIIA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals 4 marlas situated at Sandholi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1337 dated 20-1-1982 with the Sub Registrar Pehwa.

R. K. BHAYANA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/457/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Land measuring 1008 sq. yards situated at Teh. Ballabgarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan. 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anagpal S/o Sh. Rajinder Kumar,  
i/o Rajinder Farm, Faridabad. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Kailash Chand S/o Sh. Gopal Chand  
r/o 60/29 Ramjas Road, New Delhi  
2. Sh. Sohan Lal S/o Sh. Manohar Lal, Lakarpur.  
3. Sh. Sunil Kumar S/o Sh. Bodh Raj,  
r/o 16/2591 Arya Samaj Road, Faridabad.  
4. Sh. Ramesh Gulati S/o Sh. Ram Gulati, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 1008 sq. yds and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13420 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Sish Ram S/o Kanhya,  
r/o Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Land & Finance Limited, 21-22,  
Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. GRG/314/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Land measuring 8 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Gurgaon in Jan. 1982.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 biswas situated at Sikan-  
derpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed regis-  
tered at No. 3653 dated 1-1-82 with S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh S/o Ganpat Singh,  
r/o Sikanderpur.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Land & Finance Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi—

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Rel. No. GRG/315/81-82.—Whereas, I,  
R. K. BHAYANA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
Land area 7 bishwas situated at  
Sikanderpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Gurgaon in Jan. 1982  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of his notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land area 7 bishwas at Sikanderpur Ghosi  
and as more mentioned in the sale deed registered at No  
3654 dated 1-1-1982 with the S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. GRG/316/81-82.—Whereas, I  
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 266B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 6 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269D of the said Act, I order in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Heera Singh S/o Sh. Ganpat Singh,  
Vill. Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

- (2) M/s. Delhi Land & Finance Limited, 21-22,  
Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3655 dated 1-1-82 with the S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. GRG/317/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land area 3 bigha 7 bishwas situated at Sikanderpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhag Singh S/o Sh. Jai Kishan,  
Shri Krishan Lal, Indraj Singh,  
all r/o Sikanderpur.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Land & Finance Limited,  
21-22, Narendra Palace, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 7 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3656 dated 1-1-82 with S. R. Gurgaon

R. K. BHAYANA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1982

Seal :